RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com मंगलवार, 15 सितंबर 2026 | वर्षः 04, अंकः 175 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राजस्थान निकाय चुनावः बीजेपी का दबदबा, 10 नगर निगमों में से 8 पर आगे

भाजपा ने 163 निकायों में जीत या स्पष्ट बढ़त हासिल की है, जबकि कांग्रेस 103 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 43 निकायों में सफलता दर्ज की

जयपुर/एजेंसी
राजस्थान के 309 नगरीय निकायों के 10,244 वार्डों की मतगणना सोमवार सुबह आठ बजे से जारी है। समाचार लिखे जाने तक करीब 9,782 वार्डों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। उपलब्ध ताजा पार्टीवार आंकड़ों में भाजपा सबसे आगे है, जबकि कांग्रेस भी मजबूत प्रदर्शन कर रही है। अब तक घोषित नतीजों के अनुसार भाजपा ने 163 निकायों में जीत या स्पष्ट बढ़त हासिल की है, जबकि कांग्रेस 103 और निर्दलीय उम्मीदवारों ने 43 निकायों में सफलता दर्ज की है। निकाय चुनाव दो चरणों में नौ और 11 सितंबर को हुए। पहले चरण में 162 निकायों और दूसरे चरण में 147 निकायों में मतदान कराया गया। पहले चरण में मतदान प्रतिशत करीब 76.4 रहा, जबकि दूसरे चरण में करीब 70.7 प्रतिशत मतदान हुआ। दोनों चरणों में मिलाकर प्रदेश में मतदान करीब 73 प्रतिशत रहा। राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार समाचार लिखे जाने तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भाजपा ने 3,982 वार्डों में जीत दर्ज की है। कांग्रेस के 3,456 और निर्दलीय प्रत्याशियों के 2,183 वार्डों में परिणाम घोषित हो चुके हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 59, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के 38 वार्डों में परिणाम घोषित हुए हैं। कुल 10,244 वार्डों के परिणाम घोषित किए जाने हैं। 77 प्रत्याशी मतदान से पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। शेष वार्डों में नौ और 11 सितंबर को दो चरणों में मतदान कराया गया था। मतगणना के साथ प्रदेश के शहरी निकायों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला सामने आ रहा है। वहीं बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशियों की जीत ने कई निकायों में बोर्ड गठन के समीकरणों को रोचक बना दिया है।

समीकरणः निर्दलीय पार्षद निर्णायक भूमिका में रहेंगे

जहां भाजपा या कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से दूर हैं, वहां निर्दलीय पार्षद निर्णायक भूमिका में रहेंगे जयपुर नगर निगम में भाजपा स्पष्ट बढ़त के साथ बहुमत की स्थिति में पहुंच गई है। वार्ड 110 से पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की हार भी चुनाव का प्रमुख परिणाम रही। उन्हें कांग्रेस की सुनीता मेठी ने हराया। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यहां 11 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका महापौर चुनाव में महत्वपूर्ण हो सकती है। बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। भरतपुर में भाजपा और कांग्रेस दोनों बहुमत से दूर हैं, जिससे निर्दलीय पार्षद बोर्ड गठन में निर्णायक हो गए हैं। जोधपुर नगर निगम में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला रहा। उपलब्ध लाइव अपडेट के अनुसार 100 में से 99 वार्डों के परिणाम घोषित होने तक दोनों दल बराबरी पर थे।

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर बोले मुख्यमंत्रीः पीएम मोदी सरकार के कार्यों पर जनता ने लगाई मोहर

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पिछले ढाई वर्षों से अधिक समय में जो ऐतिहासिक कार्य किए हैं, उन पर राजस्थान की जनता ने नगरीय निकाय चुनावों में भाजपा के पक्ष में मतदान कर अपनी मोहर लगा दी है। जनता ने प्रधानमंत्री के विकसित भारत और विकसित राजस्थान के संकल्प को स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री सोमवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर नगरीय चुनावों में भाजपा के पक्ष में आए परिणामों को लेकर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भाजपा की जीत को कार्यकताओं के परिश्रम का फल बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक विजय कार्यकताओं को समर्पित है।

कोटा में जनता ने राहुल गांधी के झूठे प्रचार को नकारा

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान के 309 स्थानीय निकायों में हुए चुनावों के परिणामों में भारतीय जनता पार्टी शानदार विजय की ओर बढ़ रही है और 10 नगर निगमों में से 9 में भाजपा अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। सोमवार को केंद्रीय कार्यालय में मीडिया से बातचीत में डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव 8 चरणों में कराने और जयपुर, जोधपुर व कोटा नगर निगमों को विभाजित करने की नीति को जनता ने नकार दिया, जबकि भाजपा सरकार ने 1 चरण में चुनाव कराए। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम सामने आए हैं। अभी तक प्राप्त निरंतर चुनाव परिणामों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी शानदार विजय की ओर आगे बढ़ रही है। राजस्थान में 10 नगर निगम, 47 नगर परिषद और 252 नगर पालिकाओं सहित कुल 309 स्थानों पर चुनाव हुए थे।

भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की स्थिति मेंः सुधांशु

वर्तमान स्थिति में 10 में से केवल एक नगर निगम में कांग्रेस आगे है, जबकि शेष सभी नगर निगमों में भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगियों के साथ सरकार बनाने की स्थिति में है। कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव के साथ जो खिलवाड़ किया था, जनता ने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि राजस्थान में स्थानीय निकायों के चुनाव 8 चरणों में कराए गए थे, जबकि भाजपा सरकार ने इन्हें 1 चरण में करवाया। जयपुर, जोधपुर और कोटा के नगर निगमों को विभाजित कर दिया गया था। इसके बावजूद भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में हुए मतदान से स्पष्ट है कि राजस्थान की जनता ने नगर निगमों को तोड़ने-मरोड़ने की नीति को पूरी तरह नकार दिया है। यह एक बार फिर दर्शाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का विश्वास उत्तरोत्तर बढ़ता जा रहा है।

भाजपा ने ब्रिक्स डिनर के शाकाहारी मेन्यू पर कांग्रेस की आलोचना को शर्मनाक बताया

नई दिल्ली/एजेंसी
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित रात्रिभोज के शाकाहारी मेन्यू को लेकर कांग्रेस की आलोचना को शर्मनाक और हास्यास्पद बताया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की उपलब्धियों के बजाय विपक्ष का पूरा ध्यान खाने के मेन्यू पर है।
डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि भारत के लिए इतनी महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि के बावजूद कांग्रेस ने अपनी टिप्पणी को केवल डिनर के मेन्यू तक सीमित रखा। यह न केवल हास्यास्पद और दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि ऐसा लगता है जैसे किसी शादी में नाराज फूफा हों। इतने महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच के कूटनीतिक, रणनीतिक या आर्थिक पहलुओं पर टिप्पणी करने के बजाय उन्होंने भोजन पर टिप्पणी करना चुना। यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर उनके पास कोई ठोस आलोचना या सार्थक टिप्पणी नहीं है। त्रिवेदी ने कहा कि संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन इस बात का शानदार उदाहरण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बदलती विश्व व्यवस्था के बीच भारत वैश्विक मंच पर एक सकारात्मक और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभर रहा है।

पुलिस अधीक्षक का असर दिखने की उम्मीद, वर्षो से जमे थाना प्रभारियों में खलबली

मठाधीश, निरंकुश और नाकारा पुलिसिंग पर लगाम की दरकार, पारदर्शी व्यवस्था की उठी मांग

संजीव विश्वकर्मा

बिजनौर। जिला बिजनौर में नए पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली को लेकर पुलिस महकमे में चचाओं का दौर तेज है। लंबे समय से थाना प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारियों के पदों पर जमे अधिकारियों को अब नई व्यवस्था में बदलाव की उम्मीद और चिंता दोनों दिखाई दे रही है।

पुलिस महकमे से जुड़े सूत्रों की मानें तो नई पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की समीक्षा और जिम्मेदारियों में बदलाव की संभावना से कई स्तरों पर हलचल बढ़ गई है। जिला बिजनौर में लंबे समय से कुछ थानों और चौकियों पर अधिकारियों के लगातार बने रहने को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। आरोप लगते रहे हैं कि लंबे कार्यकाल के कारण कुछ पुलिसकर्मी स्थानीय स्तर पर मजबूत पकड़ बना लेते हैं, जिससे निष्पक्ष पुलिसिंग प्रभावित होने की आशंका रहती है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

सिफारिश और पैसों के खेल पर लगाम की उम्मीद पुलिस महकमे में सबसे बड़ी चर्चा थाना और चौकी प्रभारियों की तैनाती को लेकर है। आमतौर पर माना जाता है कि महत्वपूर्ण पदों पर तैनाती के लिए राजनीतिक अथवा प्रभावशाली लोगों की सिफारिश का दबाव रहता है। ऐसे में सवाल यह है कि नई पुलिस अधीक्षक अब नई तैनाती का आधार केवल योग्यता, अनुभव और कार्यक्षमता बनेगा या पुरानी व्यवस्था ही जारी रहेगी।

सूत्रों का कहना है कि यदि थाना-चौकी की जिम्मेदारी देने में पारदर्शिता बरती गई और अधिकारियों के कामकाज का नियमित मूल्यांकन किया गया तो पुलिसिंग में बड़ा सुधार देखने को मिल सक ता है।

राजनीतिक दबाव से मुक्त पुलिसिंग की जरूरत

बिजनौर जैसे महत्वपूर्ण जिले में पुलिस व्यवस्था को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखना बड़ी चुनौती है। कई बार आरोप लगते हैं कि प्रभावशाली लोगों की पैरवी के चलते अधिकारियों पर दबाव बनाया जाता है। इससे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों के सामने भी असहज परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं।

जरूरत इस बात की है कि थाना प्रभारी से लेकर चौकी प्रभारी तक की कार्यप्रणाली का निष्पक्ष मूल्यांकन हो और शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की स्पष्ट व्यवस्था बनाई जाए।

योग्य और अनुभवी अधिकारियों को मिले मौका पुलिस विभाग में बड़ी संख्या में योग्य, अनुभवी और तेजतर्रार अधिकारी मौजूद हैं। ऐसे अधिकारियों को उनकी क्षमता के अनुरूप जिम्मेदारी मिलने से कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है।

वहीं यदि किसी अधिकारी के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही हों तो उसकी निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

नई पुलिस अधीक्षक के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वह सही और गलत के बीच स्पष्ट अंतर करते हुए ऐसी कार्ययोजना तैयार करे, जिससे अपराध नियंत्रण के साथ-साथ आम जनता को भी निष्पक्ष पुलिसिंग का भरोसा मिल सके। जनता को चाहिए जवाबदेह और पारदर्शी पुलिसिंग जनता की अपेक्षा है कि पुलिस थानों में फरियाद लेकर पहुंचने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए।

पीड़ित को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की सिफारिश या प्रभाव आड़े न आए। साथ ही अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और निर्दोष लोगों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित किया जाए।

अब निगाहें नई पुलिस अधीक्षक पर हैं कि वह लंबे समय से चली आ रही व्यवस्थाओं में कितना बदलाव करते है। यदि तैनाती में पारदर्शिता, अधिकारियों की जवाबदेही और अपराध नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई तो आने वाले समय में बिजनौर पुलिस की कार्यप्रणाली में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे सकता है।

निष्कर्ष:

"निष्पक्ष, जवाबदेह और जनहितैषी पुलिसिंग ही सुरक्षित समाज की पहचान है।"

डीएम एसपी द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एवं बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों बड़ाहार, सदनापुर एवं बिंदकी फार्म का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा बाढ़ की स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन, सुरक्षा व्यवस्था एवं आमजन को उपलब्ध कराई जा रही आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया।

तत्पश्चात अधिकारियों द्वारा अभयपुर स्थित बाढ़ राहत शिविर का निरीक्षण कर राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई तथा शिविर में रह रहे प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई।

निरीक्षण के दौरान जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल भी उपस्थित रहे। संबंधित अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने, प्रभावित लोगों को समय से राहत सामग्री एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा कानून-व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा दुष्कर्म से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त चन्दन पुत्र बद्री प्रसाद निवासी ग्राम मनकापुर थाना खखरेरु जनपद फतेहपुर उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

नाबालिग के अपहरण के वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल पर्यवेक्षण में सोमवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा अपहरण से संबंधित वांछित अभियुक्त सोनूलाल पुत्र कुल्ली निवासी ग्राम पछली थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

आवासीय मकान पर कब्जे को लेकर महिला ने पुलिस से लगाई गुहार

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर। थाना स्योहारा क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने कुछ लोगों पर उसकी सास के आवासीय मकान को कथित रूप से हड़पने की कोशिश करने तथा धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है।

शिकायती पत्र के अनुसार ज्योति कुमारी पत्नी संजीव कुमार, निवासी मोहल्ला ठठेरा कस्बा व थाना स्योहारा, तहसील धामपुर, जिला बिजनौर ने थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी दो छोटी बेटियां हैं। महिला का आरोप है कि पारिवारिक परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए कुछ लोगों ने उसके परिवार के

एकमात्र आवासीय मकान को अपने हक में कराने का प्रयास किया।

शिकायत में संगीता पत्नी जयराम निवासी ग्राम महमूद कमाली, जनपद मुरादाबाद तथा शिखा पत्नी दीपपाल निवासी ग्राम मन्धावली, थाना ठाकुरद्वारा, जनपद मुरादाबाद समेत अन्य लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। महिला के मुताबिक आरोपियों ने उसकी सास के नाम बताए जा रहे आवासीय मकान की वसीयत/रजिस्ट्री को लेकर कथित तौर पर कार्रवाई कराई।

प्रार्थिनी ने यह भी आरोप लगाया कि 11 सितंबर 2026 की शाम करीब 7:15 बजे कुछ लोग उसके घर पहुंचे और मकान को लेकर विवाद करते हुए धमकी दी। महिला का कहना है कि वह अपने पति और बच्चों के साथ इसी मकान में रहकर परिवार का जीवन-यापन कर रही है, इसलिए उसे और उसके परिवार को मकान से बेदखल किए जाने का डर है।

महिला ने थाना प्रभारी से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर नामजद लोगों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने तथा स्वयं, पति और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। पुलिस से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा की गई है।

नोटः उपरोक्त खबर शिकायत पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अथवा पुलिस की अंतिम जांच/कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दहेज हत्या का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। रविवार को थाना चरवा पर वादी शुभम यादव पुत्र श्री बलदेव यादव निवासी ग्राम धमसेड़ा मजरा व नगर पंचायत चरवा जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि उनकी बहन की शादी लगभग 01 वर्ष पूर्व शेखपुर रसूलपुर निवासी मुलायम सिंह के साथ हुई थी, विवाह के बाद से ही उसके पति व अन्य परिजन अतरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे न मिलने पर सभी लोगों ने मेरी बहन की हत्या कर दी है ।

सोमवार को थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मुलायम सिंह पुत्र स्व० मन्नूलाल निवासी ग्राम शेखरपुर रसूलपुर थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को जानकीपुर गुगवा बाग के पास से गिरफ्तार किया गया ।

बहू ने पीट-पीट कर सास को मार डाला: काम करने को लेकर हुआ था झगड़ा

गैर इरदातन हत्या का केस दर्ज; आरोपी हिरासत में

सबसे तेज प्रयागराज

बिजनौर, धामपुर थाना क्षेत्र के करनावाला गांव में रविवार देर शाम करीब 7 बजे सास-बहू के बीच हुए झगड़े में सास की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृत महिला के सिर पर गंभीर चोटें आई थीं। सास और बहू के बीच काम करने को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर बहू ने सास से झगड़ा किया। देर शाम पुलिस ने आरोपी बहू को हिरासत में ले लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार करनावाला गांव में 65 साल की ओमवती और उनकी 35 साल की बहू प्रीति के बीच किसी बात पर कहासुनी हो गई। इस दौरान बहू ने सास ओमवती के साथ मारपीट की और उन्हें धक्का दे दिया। इससे ओमवती को काफी चोटें आईं। उन्हें धामपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृत महिला ओमवती के बेटे और आरोपी प्रीति के पति कमल कुमार ने बताया कि रविवार शाम को वह घर से बाहर थे। उन्हें फोन पर जानकारी मिली कि उनकी मां और पत्नी के बीच झगड़ा हुआ है। कमल कुमार के मुताबिक, जब वह घर लौटे तो देखा कि उनकी मां ओमवती सीढ़ियों के पास घायल पड़ी थीं और उनके शरीर से खून बह रहा था।

उन्होंने बताया कि प्रीति ने उनकी मां का गला घोंटा और सिर पर धारदार हथियार से हमला किया। सीढ़ियों के पास पड़ी ओमवती को गांव के एक डॉक्टर को दिखाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। ओमवती के पति महावीर सिंह का पहले ही निधन हो चुका है।

परिवार में कमल की मृतका मां ओमवती, उसकी पत्नी व अभियुक्त प्रीति के अलावा तीन बेटे हैं। बेटों में मयंक (10 वर्ष), यांश (9 वर्ष) और आशीष (7 वर्ष) शामिल हैं। कमलपेशे से मजदूर था और मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

आरोपी बहू के पति अमर सिंह ने बताया कि वह काम पर गए थे। देर शाम पत्नी ने फोन कर बताया कि मां सीढ़ियों से गिर गई हैं। घर पहुंचने पर अमर ने देखा कि उनकी मां सीढ़ियों के पास पड़ी थीं, जबकि उनकी पत्नी चारपाई पर बैठी थी।

अमर के मुताबिक, मां के सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें थीं। आसपास के लोगों ने जब घटना के बारे में पूछा तो उनकी पत्नी ने पहले कुछ बताने से इनकार किया।

बाद में पुलिस के पहुंचने पर उसने कथित तौर पर बताया कि सास से विवाद के दौरान उसी ने मारपीट की थी।

थाना प्रभारी रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इस मामले में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी बहू को भी हिरासत में लिया गया है। मृत महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अपहरण करने वाले 4 वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पांच दिन पहले थाना महेवाघाट पर वादी नवनीत त्रिपाठी पुत्र राम अभिलाष त्रिपाठी निवासी अन्धावा थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी थी कि कल दिनांक 08.09.2026 को मैं न्यायालय से ड्यूटी कर के अपने घर जा रहा था कि अन्धावा पेट्रोल पंप के पास से 02 कार सवार व्यक्तियों द्वारा मुझे रोककर तमंचे के बल पर बैठा लिया तथा रात्रि में 10 बजे भगवतपुर के पास छोड़कर चले गये थे और गाली गलौज करते हुये कहा कि किसी को बताया तो तुम्हे और तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे ।

सोमवार को थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 4 अभियुक्तों विकाश पुत्र संगम लाल . प्रांजल पुत्र हरिओम निवासीगण डिगहरा थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी . आकाश पुत्र कौशल किशोर . अभिषेक पुत्र धर्मेन्द्र निवासीगण महिला उपरहार थाना व जनपद कौशाम्बी को मनकापुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया ।

कार की डिग्गी में मिले शव का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

हनुमान प्रसाद शुक्ल

कौशाम्बी। थाना मंझनपुर क्षेत्र के ग्राम महमदपुर में खेत में खड़ी कार की डिग्गी से बरामद युवक के शव के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सफल अनावरण करने का दावा किया है। पुलिस ने घटना में शामिल दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईंट समेत मृतक के मोबाइल फोन और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के अनुसार, 13 सितंबर 2026 को ग्राम महमदपुर के एक खेत में खड़ी सफेद रंग की स्विफ्ट कार की डिग्गी में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान रवि यादव निवासी बलीपुर जैतवार डीह, थाना थरवई, प्रयागराज के रूप में की। जानकारी के मुताबिक रवि 12 सितंबर की रात अपने मामा के लड़कों के साथ महमदपुर आया था। घटना की सूचना के बाद फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण ने पुलिस टीमों का गठन कर जल्द घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीमों ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई।

जांच के दौरान पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों संदीप यादव पुत्र रमेश यादव और शानू यादव पुत्र जंग बहादुर, निवासी यादवपुर, थाना धूमनगंज, प्रयागराज को 14 सितंबर को फनगांव वाटर पार्क के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के मुताबिक अभियुक्तों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त ईंट, मृतक के दो मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मतदाता पहचान पत्र और दो डेबिट कार्ड बरामद किए गए हैं।

शराब पीने के दौरान हुआ विवाद

पुलिस पूछताछ में आरोपी संदीप ने कथित तौर पर बताया कि दोनों आरोपी मृतक रवि के साथ महमदपुर गांव के बाहर एक अर्धनिर्मित प्लाट पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान नशे की हालत में रवि ने गाली-गलौज करते हुए संदीप की बहन से शादी करने की बात कही। इसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

आरोपी के अनुसार, विवाद बढ़ने पर उसने गुस्से में रवि के साथ मारपीट शुरू कर दी और पास में पड़ी ईंट से उसके चेहरे, सीने और सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद दोनों ने शव को कार की डिग्गी में रख दिया। कार लेकर भागने के दौरान वाहन खेत में उतरकर फंस गया। इसके बाद दोनों आरोपी कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किए जाने की बात कही है।

जनपद में चला अभियान,दस वारंटी दबोचे गए

स्वाती मिश्रा

कौशांबी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कड़ाधाम पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त शिवम कुमार चौहान पुत्र प्रमोद चौहान निवासी सैदपुर, बाड़, पटना हाल पता शीतला धाम थाना कड़ाधाम गिरफ्तार किया।

थाना करारी जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी 2 अभियुक्तों गंगा पुत्र राम भवन . कल्लू उर्फ बरमदीन पुत्र शारदा प्रसाद निवासीगण रसूलपुर उखैया थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना करारी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त लक्ष्मी कान्त पुत्र इन्द्रपाल निवासी सरसवां व गिरधर पुत्र प्रभू दयाल निवासी अजरौली थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी

अभियुक्त अजय कुमार उर्फ गोरे पुत्र धरम सिंह निवासी ग्राम नरसिंहपुर थाना सैनी को गिरफ्तार किया गया ।

थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा विद्युत अधिनिय थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अशोक कुमार पुत्र मंगल प्रसाद निवासी गांधी नगर, एसटी एक्ट थाना मंझनपुर से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त गुलाब राजपूत पुत्र छितानी निवासी नन्हुआ थाना मंझनपुर को गिरफ्तार

किया।

थाना पश्चिम शरारी पुलिस टीम द्वारा गोवध निवारण अधिनियम थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त दीन मोहम्मद पुत्र सकुर अहमद निवासी परई अग्रसेनपुर थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त रामबला पुत्र रामपाल निवासी बैगवां फतेहपुर को गिरफ्तार किया गया ।

पुलिस लाइन में यूपी-112 कर्मियों को दिया गया सीपीआर प्रशिक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस लाइन फतेहपुर में सोमवार को रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से यूपी-112 के अधिकारी एवं कर्मचारियों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में अचानक सांस और हृदय गति रुकने पर तत्काल प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित करना रहा।

रेड क्रॉस सोसायटी फतेहपुर के चेयरमैन एवं आईआरसीएस उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण के दौरान सीपीआर देने की प्रक्रिया, उसके विभिन्न चरणों तथा आवश्यक सावधानियों की व्यावहारिक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हृदय गति रुकने जैसी आपात स्थिति में समय पर सीपीआर दिया जाना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस दौरान डायल-112 प्रभारी रमेश कुमार पटेल सहित यूपी-112 के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे और प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ का शव फंदे से लटका मिला

बाथरूम जाने की बात कहकर घर से निकला था रामभवन,सुबह बेटी ने पुराने खपरैल मकान में देखा शव

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के तिलगोडी गांव में सोमवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई,जब एक अधेड़ का शव गांव स्थित पुराने कच्चे खपरैल मकान में धन्नी से लटका मिला। हालांकि शव किस स्थिति में मिला है इस बारे में उसी के परिवार के लोग तरह-तरह की बात कर रहे हैं कहीं कह रहे हैं कि सांप ने काट लिया है मौत हो गई है कहीं कह रहे है कि धन्नी में लटक कर आत्महत्या कर लिया है मामला बेहद पेचीदा और संदिग्ध है शव मिलने की जानकारी होते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार पिपरी थाना क्षेत्र के तिलगोडी गांव निवासी रामभवन उम्र 50 वर्ष पुत्र स्व. रामलौटन रविवार रात अपने घर से बाथरूम जाने की बात कहकर निकले थे। इसके बाद वह पुराने मकान की ओर चले गए। बताया जा रहा है कि रामभवन का बेटा विनोद कुमार भी बीती रात पुराने

मकान के अंदर गया था। कुछ देर बाद मकान का दरवाजा बाहर से बंद कर उनका बेटा वापस लौट आया है सोमवार सुबह रामभवन की बेटी गुड़िया किसी काम से पुराने मकान के अंदर पहुंची। जैसे ही बेटी ने कमरे के अंदर देखा,उसके पिता रामभवन का शव धन्नी से लटका हुआ था। पिता का शव देखते ही गुड़िया के होश उड़ गए और उसने तत्काल घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। बेटे का कहना है कि पिता को सांप ने काट लिया है।

परिवार के लोगों के मुताबिक घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में मौके पर पहुंचे। रामभवन को फंदे से नीचे उतारकर इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी की गई। परिजन उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे,लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। रामभवन की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।रामभवन के परिवार में पांच बेटियां और तीन बेटे हैं। घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पिपरी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधेड़ ने किन परिस्थितियों में फांसी लगाई अथवा घटना के पीछे कोई अन्य वजह है,यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

उच्च न्यायालय के अधिवक्ता और समाजसेवी अजीत भाष्कर, अखिल भारतीय पासी महासभा के महामंत्री बने

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को अखिल भारतीय पासी महासभा की बैठक सिविल लाइन स्थित करियर कोचिंग सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व आईएएस व अखिल भारतीय पासी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सरोज ने महासभा कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि स्वरोजगार के लिए युवाओं को आगे आना होगा, तभी वो अपना विकास कर पाएंगे और तभी देश के विकास में अपना योगदान दे पाएंगे।

उन्होंने कहा कि आज पासी समाज दिशा विहीन होता जा रहा है, समाज के भविष्य को अंधकारमय होने से बचने के लिए आज सही मार्गदर्शन और ईमानदार नेतृत्वकर्ता की आवश्यकता है। आगे उन्होंने बताया कि महासभा का गठन वर्ष 1935 में जगलाल चौधरी, महाशय मसुरिया दीन, प्यारेलाल, राजाराम आर्य और चेतराम की अगवाई में किया गया था, जिन्होंने पासी समाज को शिक्षा प्राप्त कर मुख्य धारा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

पूर्व आईएएस श्रीराम सरोज ने आगे कहा कि समाज के लिए वास्तव में ईमानदारी से कार्य कर रहे एडवोकेट अजीत भाष्कर को उत्तर प्रदेश का महामंत्री बनाने की घोषणा करता हूं, भाष्कर इस प्राचीन परंपरा और समाज के प्रथम पंक्ति के नायकों की विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ाने में अपना पूरा योगदान देंगे। जिसका वहां उपस्थित सभी लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इस अवसर पर महासभा के प्रदेश संगठन मंत्री पूर्व एसपीओ मनीलाल वियोगी ने युवा पीढ़ी को

प्रेरित करते हुए कहा कि हर युवा पढ़े और हर युवा आगे बढ़े। वियोगी ने महासभा की परंपरा और इसके शिल्पी महाशय मसुरिया दीन सहित जगलाल चौधरी, प्यारेलाल, राजा राम आर्य और चेतराम के द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में सहभागिता और उसके पश्चात पासी महासभा के माध्यम से पासी समाज के उत्थान के लिए किए गए उनके अथक परिश्रम को याद किया। महासभा के सचिव सुभाष चंद्र सरोज ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए इस बात पर बल दिया कि किसी भी समाज का विकास तभी हो सकता है जब वह समाज अपने युवाओं को इतना सशक्त बनाए कि वो अपने समय की चुनौतियों से आंख न चुराएं बल्कि आमने-सामने से मुकाबला करें। आज सोशल मीडिया के जमाने में युवाओं को आधुनिकतम सूचना तकनीक का लाभ लेते हुए अपने को शिक्षा के साथ हुनर से जोड़कर आगे बढ़ाना चाहिए। एडवोकेट अजीत भाष्कर ने महामंत्री के रूप में मनोनीत किए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम सरोज आईएएस, मनीलाल वियोगी, सुभाष चंद्र, मोहन धनराज, कौशाम्बी के जिला अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सरोज और उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी देश के विकास में समाज के हर हिस्से का योगदान आवश्यक होता है।इसलिए हमारे समाज के युवाओं को पढ़ लिखकर हुनर सीख कर अपने परिवार को आगे बढ़ाना चाहिए और अगर परिवार आगे बढ़ेगा तो देश और समाज का भी विकास होगा। आगे भाष्कर ने कहा कि आज सोशल मीडिया के जमाने में बहुत सी नकारात्मक बातें भी समाज में फैल रही है, जिनसे हमारे युवाओं को दूर रहते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से अपने आप को आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश दूरदर्शन के पूर्व निदेशक मोहन धनराज ने की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व प्रशासनिक अधिकारी पारसनाथ, कमलेश भारतीया, विनोद कुमार, डॉ0 अभिनव सरोज, एडवोकेट दिलीप कुमार, सुमित भारतीय, महेंद्र भारतीय, गुलाब चंद्र, एडवोकेट देवी चरण, योगेश कुमार, दिलीप भारतीय, कुमारी जाह्नवी, वीर पासी, राजीव चौधरी दीपक धनराज, अरविंद सरोज, विक्रम भारतीया, अरविंद, राजकुमार सरोज व सैकड़ों की संख्या में उपस्थित लोगों ने अजीत भाष्कर को बधाई देकर हर्ष जताया।

फूलपुर में ऐतिहासिक रामलीला की तैयारियां शुरू

1 पुरानी कमेटी बहाल, 11 अक्टूबर से सजेगी प्रभु राम की लीला

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर । फूलपुर नगर पंचायत की प्रसिद्ध एवं ऐतिहासिक श्री नगर रामलीला कमेटी की वार्षिक साधारण सभा अध्यक्ष सुरेश चन्द्र विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सोमवार को संपन्न हुई। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से पूर्व में दी गई सूचना के आधार पर आयोजित इस बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों, प्रबुद्धजनों, समिति के सदस्यों और बड़ी संख्या में रामभक्तों ने हिस्सा लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए पुरानी कार्यकारिणी को पुनः बहाल किया गया। इसके तहत लक्ष्मीकांत मिश्रा (काका) को एक बार फिर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई है। कमेटी पर वर्ष 2026 के भव्य एवं ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव को सकुशल और भव्य रूप से संपन्न कराने का दायित्व रहेगा।

महोत्सव की मुख्य तिथियों की घोषणा:

वार्षिक बैठक के दौरान आगामी रामलीला महोत्सव के प्रमुख कार्यक्रमों की तिथियां भी घोषित कर दी गईं। 11 अक्टूबर 2026: रामलीला का शुभारंभ एवं मंचन प्रारम्भ

15 अक्टूबर 2026: भव्य एवं आकर्षक राम बारात

20 अक्टूबर 2026: विजयादशमी (दशहरा) एवं रावण वध

21 अक्टूबर 2026: भरत मिलाप एवं विशाल मेला

नगरवासियों से सहयोग की अपील:

बैठक की अध्यक्षता कर रहे सुरेश चन्द्र विश्वकर्मा ने सभी नगरवासियों और रामभक्तों से अपील कि वे प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन को भव्य, दिव्य और अनुशासित ढंग से संपन्न कराने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर प्रमोद पाण्डेय, लक्ष्मीकान्त मिश्र, विजय शंकर पाण्डेय (मुन्ना), रवि पाण्डेय, अभय त्रिपाठी, राकेश केशरी, अखिलेश यादव, लाल कृष्ण तिवारी, शैलेन्द्र भारतीय, राजकुमार कश्यप, रजत केशरी, संदीप कुमार मौर्या, राहुल द्विवेदी, शनि पाण्डेय, शांतनु तिवारी, धीरज मौर्या, सुभाष शर्मा सहित नगर के अनेक गणमान्य व्यक्ति व श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सोलह सृंगार कर महिलाओं ने शिव-पार्वती की पूजा-अर्चना कर पति की दीर्घाआयु की मांगी मुराद

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज। हरतालिका तीज कस्बे भर में पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया महिलाओं ने निर्जला व्रत रख भगवान शंकर व माता पार्वती की विधि विधान से पूजन कर पति के दीघार्यु की कामना की। कन्याओं ने भी हरतालिका तीज पर उपवास रखकर मनोकामना पूरी करने का वरदान मांगा। शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। घरों में रात भर भजन-कीर्तन किया गया इस पर्व को हरतालिका इसलिए कहते हैं कि इसी दिन पार्वती की सहेलियां उन्हें पिता के प्रदेश से हर कर जंगल में ले गई। जंगल में पार्वती ने भगवान शंकर को वर के रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया। इस पर प्रसन्न होकर भगवान शंकर ने पार्वती को अपनी अर्द्धांगनी के रूप में स्वीकार किया हर का अर्थ है हरण व अलिका का अर्थ है सहेलियां। इसी लिए पर्व का नाम हरतालिका पड़ा। मान्यता है कि हरतालिका तीज का निर्जला व्रत करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है और कुंवारी कन्याओं को मन पसंद वर प्राप्त होता है। इसी कामना को लेकर सोमवार को कस्बे भर में हरतालिका पर्व पर महिलाओं व कन्याओं ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर मनोकामना पूरी होने का वरदान मांगा। सूबह से ही श्रृंगवेरपुर घाट रामचौरा घाट गाउघट पर भारी संख्या में महिलाओं ने गंगा स्नान कर शिव मंदिर में पूरी श्रद्धा के साथ पूजन कर व्रत का संकल्प लिया। शाम को मिट्टी की शिव-पार्वती की मूर्ति बनाकर पूजन किया ।

नवाबगंज में अधिवक्ता से मारपीट के 2 आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना नवाबगंज क्षेत्र के ग्राम कस्तूरीपुर, चौबे का पुरा में अधिवक्ता से मारपीट व जान से मारने की धमकी के मामले में पुलिस ने 2 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। वादी प्रभा शंकर चतुर्वेदी की तहरीर पर मु0अ0सं0 389/2026 में 8 नामजद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने आशीष पांडेय व आनंद पांडेय पुत्रगण दिलीप कुमार पांडे उर्फ तुलसीदास निवासी कस्तूरीपुर को लाल गोपालगंज पिंक बूथ के पास से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

दोनों अभियुक्तों के खिलाफ पूर्व में भी नवाबगंज थाना पर मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार करने वाले पुलिस टीम में उ0नि0 आकाश सचान आनापुर चौकी इंचार्ज, उ0नि0 सौरभ कुमार शुक्ला, का0 बालगोविन्द, का0 जयप्रकाश यादव, रि0का0 शुभम गुप्ता, रि0का0 आदित्य कुमार, रि0का0 भानू प्रताप तिवारी थाना नवाबगंज कमिश्नरेट प्रयागराज।

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती पर जोर

प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ की चाय पर चर्चा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को प्रयागराज पहुंचे कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इलाहाबाद संसदीय सीट से पार्टी के पूर्व प्रत्याशी रहे नीरज त्रिपाठी के आवास पर पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों के साथ चाय पर चर्चा के दौरान संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा एवं विचार-विमर्श किया। स्वतंत्र देव सिंह ने 2027 को लेकर बूथ स्तर पर संगठन

को मजबूत करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बूथ जीता तो चुनाव जीता के फामूर्ले पर चलकर ही चुनाव में जीत हासिल की जा सकती है। बूथ समितियों का सत्यापन हो चुका है और उन्हीं के बल पर 2027 के विजय की इबारत लिखनी होगी। हमारा संगठन बूथ स्तर पर मजबूत है कार्यकर्ता लगातार काम भी कर रहे हैं लेकिन विपक्ष के झूठ को बेनकाब करने के लिए पूरी सजगता से सावधानी से लगे रहना है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। डबल इंजन की सरकार में समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर उनके कल्याण के लिए काम किया है और जनता भी इसको जानती है। हमें सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से जनता तक पहुंचने का एक सशक्त माध्यम मिला है।

इस दौरान जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान,प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल, महापौर गणेश केसरवानी , सांसद प्रवीण पटेल. विधायक फूलपुर दीपक पटेल विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्षवर्धन बाजपेयी,राजमणि कोल, गुरु प्रसाद मौर्य, सुरेंद्र चौधरी, केपी श्रीवास्तव, उमेश तिवारी विवेक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पत्नी से हुए विवाद में युवक ने नये यमुना पुल से लगाई छलांग, जल पुलिस ने बचाई जान

पत्नी को नैनी पुल पसंद था, इसलिए यहीं से कूदा: सुसाइड नोट में लिखा- देख लो, मैं मर सकता हूं

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पत्नी से विवाद के बाद जौनपुर निवासी एक युवक ने सोमवार सुबह यमुना नदी पर बने नैनी पुल से छलांग लगा दी। युवक ने यह कदम उठाने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें पत्नी का जिक्र करते हुए कहा कि उसे भरोसा नहीं है कि वह मर सकता है। नदी में युवक को छलांग लगाते देख जल पुलिस के जवानों ने तत्काल मोटरबोट से पीछा किया और गोताखोरों की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्राथमिक उपचार के बाद युवक की हालत ठीक बताई जा रही है। बैग रखकर पुल की रेलिंग पर चढ़ाझआलोक सिंह जौनपुर जिले के मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के अहमदपुर गरियांव गांव का रहने वाला है। सोमवार सुबह करीब नौ बजे वह बैग लेकर नैनी पुल पहुंचा। पुल के एक किनारे बैग रखने के बाद वह रेलिंग पर चढ़ गया और देखते ही देखते यमुना में छलांग लगा दी। युवक को नदी में गिरते देख जल पुलिस की टीम ने तत्काल मोटरबोट दौड़ा दी और गोताखोरों की मदद से उसे बाहर निकाल लिया।

सुसाइड नोट में पत्नी के लिए लिखी बातझ जल पुलिस और पुलिसकर्मियों ने युवक के बैग की तलाशी ली तो उसमें आधार कार्ड के साथ एक सुसाइड नोट मिला। नोट में युवक ने लिखा था कि उसकी मौत के बाद पत्नी को फोन कर घटना की जानकारी दी जाए। यदि पत्नी फोन न उठाए तो उसे मैसेज और वीडियो के जरिए जानकारी भेजी जाए। नोट में युवक ने यह भी लिखा कि उसकी पत्नी को भरोसा नहीं है कि वह मर सकता है। घटना की जानकारी मिलते ही कीडगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक के परिजनों को सूचना दी।

युवक को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। सुसाइड नोट में लिखी बातों के आधार पर प्रथम दृष्टया पत्नी से विवाद को युवक के आत्मघाती कदम की वजह माना जा रहा है। हालांकि, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। युवक से पूछताछ और परिजनों से बातचीत के बाद घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

शाहगंज पुलिस द्वारा भटके हुए व्यक्ति को सकुशल उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । थाना शाहगंज पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत भ्रमणशील रहकर गस्त की जा रही थी कि इसी दौरान सोमवार को प्रयागराज जंक्शन के गेट नं0-04 के पास 01 व्यक्ति लावारिश हालत मे भटकता हुआ मिला, जो ठीक से बोलने मे असमर्थ था । उक्त व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि उसका नाम नागेन्द्र मिश्रा पुत्र

स्व० नारायण प्रसाद मिश्रा निवासी कठारी खमरिया जनपद भदोही उम्र करीब 20 वर्ष है ।

उक्त सूचना पर थाना शाहगंज पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये उक्त व्यक्ति के परिजनों से सम्पर्क कर जानकारी दी गयी जिससे उक्त व्यक्ति के चाचा कड़ेदीन मिश्रा पुत्र सूर्यमणि मिश्रा निवासी कठारी खुमरिया जनपद भदोही थाना शाहगंज पर उपस्थित आये । उक्त गुमशुदा व्यक्ति को उसके चाचा को सकुशल सुपुर्द किया गया । गुमशुदा व्यक्ति से मिलकर परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे तथा उनके द्वारा कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस के सार्थक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी ।

सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम

नि0 राजेश सचान, प्रभारी थाना शाहगंज. उ0नि0 आलोक रंजन. का0 बलवंत यादव, थाना शाहगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

अधिवक्ताओं को सालाना पांच लाख तक कैशलेस इलाज, चेंबर के फर्नीचर पर भी सरकार देगी सहयोग

हाईकोर्ट बार के सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने की बड़ी घोषणाएं, 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं को मिलेगी सुविधा

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सम्मान समारोह में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिवक्ता समाज के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने प्रदेश के हाईकोर्ट और जिला अदालतों में सक्रिय अधिवक्ताओं को सालाना पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की। साथ ही हाईकोर्ट परिसर में बनाए गए 10 हजार से अधिक अधिवक्ता चेंबरों में फर्नीचर और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने में शासन की ओर से सहयोग का

भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 400 राज्य विधि अधिकारियों को टैबलेट दिए जाएंगे और उनकी फीस में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गई है। अधिवक्ता कल्याण निधि की

राशि भी 1.5 लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये करने तथा अधिवक्ता की मृत्यु पर परिजनों को आर्थिक सहायता की पात्रता की आयु सीमा 60 से बढ़ाकर 70 वर्ष करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की न्यायिक और पुलिस व्यवस्था में बुनियादी सुविधाओं की कमी बड़ी चुनौती थी। कई जिलों में अदालतें किराए और अस्थायी भवनों में संचालित होती थीं।

अब न्यायिक इंफ्रास्ट्रक्चर में व्यापक बदलाव किया गया है। प्रयागराज में करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से 10 हजार से अधिक अधिवक्ताओं के लिए चेंबर बनाए जा चुके हैं। यहां मल्टीलेवल पार्किंग, डाइनिंग हॉल, कॉमन रूम और लाइब्रेरी जैसी सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। करीब एक दर्जन जिलों में भी अधिवक्ता चेंबर बनाए जा चुके हैं या निमार्णाधीन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चेंबरों में फर्नीचर और आवश्यक उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए मुख्य न्यायमूर्ति की ओर से न्यायपालिका अथवा बार एसोसिएशन के माध्यम से प्रस्ताव आने पर राज्य सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने अधिवक्ता भवन की चाबी भी सौंपी।

इफको फूलपुर संयंत्र में हिंदी दिवस मनाया गया

कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट जनों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। इफको फूलपुर महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पी.के.पटेल ने हिंदी दिवस के अवसर पर सोमवार को कहा कि हिंदी भाषा का किसी भाषा के साथ द्वंद नहीं है, बल्कि यह अन्य भाषाओं के साथ जुड़ने का एक माध्यम है। उन्होंने इफको फूलपुर में मानये जाने वाले हिंदी सप्ताह का औपचारिक घोषणा किया। हिंदी कार्य समिति के संयोजक अनिल कुमार गुप्त ने कहा कि हिंदी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। प्रशासन एवं जनसंवाद को अधिक प्रभावशाली बनाने में हिंदी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारे कार्य संस्कृति का हिस्सा होनी चाहिए, कार्य संस्कृति की भाषा हिंदी तथा लगभग सारे कार्य हमें हिंदी में करना चाहिए। उन्होंने हिंदी सप्ताह में होंने वाले विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के बारे में विस्तार से बताया। इफको अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी भाषा, साहित्य एवं इतिहास से प्रश्नोत्तरी तथा युद्ध से कराहती मानवता विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन हेमलता सिजोरिया एवं धन्यवाद ज्ञापन इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के महामंत्री स्वयम्‍ प्रकाश ने किया। इस दौरान महाप्रबंधक क्रमशः रत्नेश कुमार, डॉ अनीता मिश्र, अरूण कुमार, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन शम्भू शेखर, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः एस.के.सिंह, आर.पी.यादव, संदीप गोयल, पी.के.त्रिपाठी, विनय विक्की, शैलेश शेरकर, संजय कुमार, आशीष कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

धान की फसल में सुंडी केप्रकोप से बचाव का तरीका

कृषि विशेषज्ञ ने बताए बचाव के कारगर उपाय

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। क्षेत्र में इन दिनों धान की फसल में इस समय सुंडी (पीला तना छेदक) का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ गया है। जो धान गर्भ की अवस्था में है उसमें सुंडी तने के अंदर घुसकर अंदर से खोखला कर रही है, जिससे बीच की कोंपल पीली होकर सूख रही है और बाद में बाली सफेद होकर सूख जा रही है। इससे किसानों को 30 से 40 प्रतिशत तक उत्पादन घटने का खतरा है। इस पर एग्री जंक्शन कृषि केंद्र प्रभारी एवं कृषि विशेषज्ञ धर्मेंद्र सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि किसान भाई घबराएं नहीं और समय पर दवा का छिड़काव करें। बचाव के लिए क्लोरोपायरीफॉस 20% ईसी 2.5 मिली + साइपरमेथ्रिन 10% ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी (बाजार में Hamla, Cordon नाम से), कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 4% जी दानेदार 10 किलो प्रति एकड़ (Padam नाम से), क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.4% एससी 150 मिली प्रति एकड़ (Coragen नाम से सबसे असरदार), फिप्रोनिल 5% एससी 1.5 मिली प्रति लीटर और फ्लूबेंडियामाइड 20% WG 0.5 ग्राम प्रति लीटर में से किसी एक का शाम के समय छिड़काव करें। फफूंद से बचाव के लिए इसके साथ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर या मैंकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर मिला सकते हैं। जैविक उपाय के लिए नीम का तेल 1500 PPM 3 मिली प्रति लीटर पानी में हर 10 दिन पर छिड़काव करें। इसके अलावा खेत में प्रकाश प्रपंच लगाएं, रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दें और यूरिया का अधिक प्रयोग न करें।

होलागढ़ पुलिस ने तीन वारंटी दबोचे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोमवार को थाना प्रभारी होलागढ़ सतीश कुमार के नेतृत्व में व0उ0नि0 वीरेंद्र प्रताप सिंह, उ0नि0 बिंद्रेश यादव ने न्यायालय से जारी वारंट में फरार चल रहे तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार।

पुलिस के अनुसार जे.एम. कक्ष सं0-03 प्रयागराज द्वारा निर्गत मु0नं0 1164/13 के सम्बन्ध में राजेश्वर उर्फ नन्हे पटेल, विनोद कुमार व छेदीलाल उर्फ मंडली निवासी घरवन का पूरा पूरबनारा को उनके गांव के पास से किया गिरफ्तार, होलागढ़ पुलिस द्वारा पकड़े गए अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए न्यायालय में किया गया पेश।

जीआरपी की बड़ी कार्रवाई: 9 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है, 9 वर्षीय बच्ची के अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले फरार अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस महानिदेशक रेलवे के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी रेलवे अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। घटना - दिनांक 09/09/2026 को अभियुक्त ने बच्ची को बहला-फुसलाकर अपहरण कर वारदात को अंजाम दिया था, जिसके संबंध में थाना जीआरपी पर मु0अ0सं0-432/2026 मुकदमा दर्ज किया गया था।

सोमवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर अभियुक्त अजय कुमार पुत्र बुद्द निवासी ग्राम मुडेल, पोस्ट बबुरा कला, थाना ड्रूमनगंज, जनपद मिजार्पुर को रेलवे कॉलोनी ललित नगर के अंदर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

संपादकीय

डिजिटल नशे पर नियंत्रण जरूरी

डिजिटल तकनीक ने हमारे जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन शिक्षा, मनोरंजन के डिजिटल प्लेटफॉर्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने जानकारी तथा अनेक सेवाओं को हमारी उंगलियों तक पहुँचा दिया है। तकनीक निस्संदेह एक शक्तिशाली साधन है, लेकिन इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग धीरे-धीरे एक प्रकार के नशे में बदल सकता है। डिजिटल नशे की यह बढ़ती समस्या गंभीर ध्यान की मांग करती है।

आज बहुत से लोग अपने दिन की शुरूआत और अंत स्क्रीन देखकर करते हैं। बच्चे घंटों वीडियो देखने या ऑनलाइन गेम खेलने में बिताते हैं। विद्यार्थी पढ़ाई के दौरान बार-बार सोशल मीडिया देखते हैं, जबकि वयस्क काम और मनोरंजन के लिए लगातार मोबाइल से जुड़े रहते हैं। जो चीज सुविधा के रूप में शुरू होती है, वह धीरे-धीरे ऐसी आदत बन सकती है जिस पर नियंत्रण रखना कठिन हो जाता है।

सबसे बड़ी चिंता बच्चों और युवाओं पर इसके प्रभाव को लेकर है। अत्यधिक स्क्रीन का उपयोग शारीरिक गतिविधियों को कम कर सकता है, नींद को प्रभावित कर सकता है और एकाग्रता में बाधा डाल सकता है। जो विद्यार्थी पढ़ाई, सोशल मीडिया, गेम और मनोरंजन के बीच लगातार अपना ध्यान बदलते रहते हैं, उनके लिए गहरी एकाग्रता और धैर्य विकसित करना कठिन हो सकता है। पुस्तक पढ़ने, बाहर खेलने या आमने-सामने बातचीत करने के बजाय वे डिजिटल स्क्रीन से मिलने वाले त्वरित मनोरंजन को अधिक पसंद करने लगते हैं।

डिजिटल नशा हमारे पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकता है। परिवार के सदस्य एक ही स्थान पर बैठे होते हैं, लेकिन प्रत्येक व्यक्ति अपने-अपने मोबाइल में व्यस्त रहता है। सार्थक बातचीत कम होने लगती है और व्यक्तिगत संपर्क धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकता है। लोगों को जोड़ने के लिए बनाया गया उपकरण कभी-कभी उनके बीच भावनात्मक दूरी भी पैदा कर सकता है।

एक अन्य गंभीर समस्या लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, छोटी वीडियो और ऑनलाइन सामग्री का अंतहीन चक्र है। डिजिटल प्लेटफॉर्म इस तरह बनाए जाते हैं कि उपयोगकर्ता अधिक समय तक उनसे जुड़े रहें। परिणामस्वरूप लोग समय का ध्यान खो सकते हैं और बिना किसी वास्तविक आवश्यकता के बार-बार अपना मोबाइल देखने लगते हैं।

इस समस्या का समाधान तकनीक को पूरी तरह छोड़ देना नहीं है। आधुनिक शिक्षा, संचार, रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के लिए तकनीक अत्यंत आवश्यक है। वास्तविक आवश्यकता यह है कि हम तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करें, न कि तकनीक हमारे जीवन को नियंत्रित करने लगे।

माता-पिता को घर में स्वस्थ डिजिटल आदतें विकसित करनी चाहिए। बच्चों के लिए कुछ निश्चित समय स्क्रीन-मुक्त होना चाहिए, विशेषकर भोजन के समय और सोने से पहले। विद्यालयों में भी विद्यार्थियों को तकनीक के जिम्मेदार उपयोग तथा ऑनलाइन और वास्तविक जीवन के बीच संतुलन के महत्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। वयस्कों को भी अपनी स्क्रीन आदतों पर नियंत्रण रखकर बच्चों के सामने अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

कुछ सरल उपाय बड़ा बदलाव ला सकते हैं—पढ़ाई के समय मोबाइल को दूर रखना, अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करना, नियमित अंतराल पर स्क्रीन से ब्रेक लेना, बाहर समय बिताना, किताबें पढ़ना, अपनी रुचियों और शौक को विकसित करना तथा परिवार के साथ आमने-सामने बातचीत करना। प्रतिदिन कुछ समय का डिजिटल डिटॉक्स भी व्यक्ति को अपने समय और ध्यान पर दोबारा नियंत्रण पाने में मदद कर सकता है।

तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना है, पूरे जीवन को अपने नियंत्रण में लेना नहीं। स्मार्टफोन हमारे हाथ में एक साधन रहना चाहिए, हमारे ध्यान और समय का मालिक नहीं बनना चाहिए।

डिजिटल युग हमारे सामने अपार अवसर लेकर आया है, लेकिन इन अवसरों के साथ जिम्मेदारी और आत्म-अनुशासन भी आवश्यक हैं। हमें कम तकनीक की नहीं, बल्कि तकनीक के अधिक समझदारीपूर्ण उपयोग की आवश्यकता है। आज डिजिटल नशे पर नियंत्रण करके हम कल एक अधिक स्वस्थ, एकाग्र और आपसी रूप से जुड़ा हुआ समाज बना सकते हैं।

हरतालिका तीज : शिव पार्वती के पावन मिलन की अनश्वर परंपरा

महेन्द्र तिवारी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाने वाला हरतालिका तीज भारतीय संस्कृति के सबसे पवित्र और भावनात्मक पर्वों में से एक है। यह केवल एक धार्मिक व्रत नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, धैर्य, आत्मबल और अटूट संकल्प का ऐसा उत्सव है जिसने सदियों से भारतीय समाज में दांपत्य जीवन के आदर्शों को जीवित रखा है। वर्ष 2026 में पंचांग के अनुसार हरतालिका तीज का व्रत 14 सितंबर, सोमवार को मनाया जाएगा। उदया तिथि के आधार पर इसी दिन निर्जला व्रत, शिव पार्वती पूजन और रात्रि जागरण का विशेष विधान माना गया है।

हरतालिका शब्द अपने भीतर एक सुंदर कथा समेटे हुए है। इसका अर्थ है सखी द्वारा हरण किया जाना। पौराणिक मान्यता के अनुसार हिमालय की पुत्री पार्वती बचपन से ही भगवान शिव को अपने पति के रूप में प्राप्त करना चाहती थीं। दूसरी ओर उनके पिता हिमवान ने उनका विवाह भगवान विष्णु से करने का निश्चय कर लिया। पार्वती की इच्छा जानकर उनकी प्रिय सखी उन्हें वन में ले गई ताकि वे किसी प्रकार का दबाव स्वीकार न करें और अपने संकल्प की रक्षा कर सकें। उसी वन में माता पार्वती ने कठोर तपस्या और निर्जला उपवास किया। उनकी अनन्य भक्ति और तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अपनी अर्धांगिनी के रूप में स्वीकार किया। इसी घटना की स्मृति में हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बाहरी वैभव से अधिक आंतरिक निष्ठा का उत्सव है। माता पार्वती का जीवन हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम अधिकार नहीं, बल्कि धैर्य, संयम और आत्मसमर्पण से प्राप्त होता है। उनका तप केवल पति प्राप्ति का साधन नहीं था, बल्कि अपने जीवन के सत्य को पहचानने और उसके प्रति अडिग रहने का उदाहरण था। यही कारण है कि हरतालिका तीज भारतीय नारी के आत्मसम्मान और दृढ़ निश्चय का भी प्रतीक माना जाता है।

भारत के अनेक राज्यों जैसे बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में यह पर्व अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। कहीं महिलाएं समूह बनाकर पारंपरिक गीत गाती हैं, कहीं मंदिरों में शिव पार्वती की झांकी सजती है, तो कहीं घरों में मिट्टी अथवा बालू से शिवलिंग बनाकर पूजा की जाती है। विभिन्न क्षेत्रों की लोक परंपराएं अलग हो सकती हैं, किंतु भावना एक ही रहती है कि जीवन में प्रेम और विश्वास बना रहे तथा परिवार सुखी और समृद्ध रहे।

हरतालिका तीज का निर्जला व्रत अत्यंत कठिन माना गया है। अनेक महिलाएं सूर्योदय से लेकर अगले दिन तक जल की एक बूंद भी ग्रहण नहीं करतीं। इस कठोर अनुशासन के पीछे केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि आत्मसंयम की साधना भी छिपी हुई है। उपवास मनुष्य को अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण करना सिखाता है। जब शरीर की आवश्यकताओं पर संयम रखा जाता है, तब मन अधिक एकाग्र होकर आराधना में लग पाता है। भारतीय ऋषि परंपरा में उपवास को आत्मशुद्धि का माध्यम माना गया है और हरतालिका तीज उसी विचार को जनजीवन में प्रतिष्ठित करती है।

पूजा की तैयारी भी इस पर्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रातः स्नान के बाद महिलाएं स्वच्छ वस्त्र धारण करती हैं और सोलह श्रृंगार से स्वयं को अलंकृत करती हैं। हरे, लाल और पीले रंग के वस्त्र विशेष शुभ माने जाते हैं। पूजा स्थल पर कलश स्थापित किया जाता है।

ब्रिक्स की गूंज वाशिंगटन से इस्लामाबाद तक खलबली

अजय कुमार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मंच पर जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक साथ कैमरे के सामने आए, तो वाशिंगटन से लेकर पश्चिमी राजधानियों तक भू-राजनीतिक हलचल तेज होना लाजिमी था। दुनिया के इन तीन बड़े देशों के शीर्ष नेताओं का एक फ्रेम में दिखना इस बात का स्पष्ट संदेश है कि वैश्विक राजनीति अब एकध्रुवीय यानी अमेरिकी नियंत्रण वाली नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर पूरी मजबूती से बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट और आक्रामक व्यापारिक नीतियों के दौर में यह तस्वीर व्हाइट हाउस के रणनीतिकारों के लिए एक बड़ी चेतावनी की तरह है। इससे अमेरिका को साफ संदेश जाता है कि वैश्विक दक्षिण यानी ग्लोबल साउथ के देश अब अमेरिकी दबाव या एकतरफा प्रतिबंधों के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं हैं, और वे अपने आर्थिक व कूटनीतिक हितों के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं तलाशने में जुट चुके हैं।

ट्रम्प प्रशासन की मनमानी और दुनिया भर में उसकी दादागिरी पर लगाम कसने के लिहाज से यह एकजुटता एक वैचारिक और आर्थिक ढाल का काम करती है। जिस प्रकार अमेरिका ईरान और अन्य विकासशील देशों के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए है और वैश्विक वित्तीय तंत्र का इस्तेमाल एक हथियार के रूप में करता है, उससे निपटने के लिए ब्रिक्स मंच का मजबूत होना जरूरी

था। हालांकि, यह भी सच है कि केवल एक सम्मेलन से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की कार्यशैली रातों-रात नहीं बदल जाएगी, क्योंकि अमेरिका की सैन्य और आर्थिक ताकत अभी भी व्यापक है। इसके बावजूद, जब रूस, चीन और भारत जैसे देश एक मंच पर खड़े होकर अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात करते हैं, तो ट्रम्प की उन धमकियों का असर कम होने लगता है जो वे अक्सर दूसरे देशों को पाबंदी लगाने के लिए देते हैं। ईरान जैसे देशों के मुद्दे पर, जो इस समय अमेरिकी आक्रामकता का सामना कर रहे हैं, ब्रिक्स का यह विस्तार और एकजुट रुख यह बताता है कि अमेरिका चाहकर भी पूरी दुनिया को अपनी मर्जी के मुताबिक हांक नहीं सकता।

भारत के दृष्टिकोण से इस कूटनीतिक निकटता और संतुलन के कई दूरगामी और व्यावहारिक फायदे हो सकते हैं। भारत एक तरफ पश्चिमी देशों और अमेरिका के साथ क्वाड जैसी साझेदारियों में शामिल है, तो दूसरी तरफ ब्रिक्स के जरिए रूस और चीन के साथ भी संवाद बनाए हुए। इसे भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की बड़ी जीत माना जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर रहने से भारत को रूस से ऊर्जा सुरक्षा (कच्चा तेल) सुनिश्चित करने में मदद मिलती है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद देश की आर्थिकी को संभाल कर रखती है। इसके अलावा, ग्लोबल साउथ के निर्विवाद नेता के रूप में भारत विकासशील देशों की आवाज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मजबूती से रख पा रहा है। आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता, उन्नत तकनीक, आतंकवाद के खिलाफ साझा रुख और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सहयोग जैसे मुद्दे भारत के आर्थिक विकास को नई गति दे सकते हैं। भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह किसी भी एक महाशक्ति के खेमे में बंधने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए सबके साथ संतुलित संबंध रख सकता है।

इन भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच दुनिया भर में यह सवाल सबसे ज्यादा प्रासंगिक बना हुआ है कि क्या कभी एशिया की दो महाशक्तियों यानी भारत और चीन के बीच के रिश्ते पूरी तरह सामान्य हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद और पिछले कुछ वर्षों में उपजा अविश्वास गहरा है, जिसे रातों-रात नहीं मिटाया जा सकता। इसके बावजूद, कूटनीति में स्थायी शत्रुता या मित्रता जैसा कुछ नहीं होता, केवल स्थायी हित होते हैं। जब भारत और चीन वैश्विक मंचों जैसे ब्रिक्स या शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पर मिलते हैं, तो वे इस बात को भली-भांति समझते हैं कि आपसी टकराव से केवल पश्चिमी ताकतों को फायदा पहुंचता है। हालिया मुलाकातों और व्यापारिक स्तर पर हो रही वाताओं से यह संकेत जरूर मिलते हैं कि दोनों देश कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर तनाव को एक निश्चित दायरे में प्रबंधित करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, चीन की विस्तारवादी फितरत और सीमा पर जारी संप्रभुता के मुद्दों को देखते हुए भारत पूरी तरह से आश्वस्त होकर आंखें मूंदने की स्थिति में नहीं है। इसलिए, चीन के साथ रिश्ते पूरी तरह सामान्य होना इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग भारत की संप्रभुता और सुरक्षा चिंताओं का कितना सम्मान करता है, लेकिन वर्तमान हालात यह जरूर बताते हैं कि कूटनीतिक बाध्यताएं दोनों देशों को बातचीत की मेज पर बनाए रखने के लिए मजबूर कर रही हैं।

उधर, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस और चीन के शीर्ष नेतृत्व की सक्रियता और भारत की मजबूत उपस्थिति ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के रणनीतिक हलकों में भी गहरी बेचैनी पैदा कर दी है।

पाकिस्तान लंबे समय से खुद को चीन का ऑल-वेदर फ्रेंड और क्षेत्र में बीजिंग का सबसे भरोसेमंद मोहरा मानता आया है, लेकिन ब्रिक्स मंच पर चीन और रूस द्वारा भारत के साथ जिस तरह से कूटनीतिक समन्वय और वैश्विक समीकरणों पर चर्चा की गई है, उसने इस्लामाबाद के उस भ्रम को तोड़ दिया है जिसमें वह समझता था कि बीजिंग केवल उसके हितों को प्राथमिकता देगा। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है और वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा पश्चिमी देशों की मदद के लिए लगातार जूझ रहा है, जबकि दूसरी ओर ब्रिक्स वैश्विक वित्तीय तंत्र और डॉलर के वर्चस्व का विकल्प तलाशने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, जब चीन और रूस भारत के साथ एक ही मंच पर ग्लोबल साउथ के नेतृत्व और आर्थिक सहयोग की बात करते हैं, तो पाकिस्तान को यह डर सताने लगता है कि वैश्विक भू-राजनीति के बदलते इस दौर में उसका पारंपरिक महत्व पूरी तरह से समाप्त न हो जाए। इसके अलावा, ईरान और मध्य एशिया से जुड़े समीकरणों में भारत की बढ़ती कूटनीतिक पहुंच से पाकिस्तान और अधिक अकेला महसूस करने लगा है, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों और अंदरूनी राजनीतिक अस्थिरता के बीच इस्लामाबाद के पास न तो कोई ठोस आर्थिक विकल्प बचा है और न ही कोई ऐसा वैश्विक मंच जहां उसकी बात को उस तवज्जो के साथ सुना जाए जैसी वह उम्मीद करता है। ब्रिक्स देशों की इस बढ़ती निकटता ने पाकिस्तान को यह अहसास करा दिया है कि चीन और रूस के लिए राष्ट्रीय हित और वैश्विक बाजार पाकिस्तान की तुनकमिजाजी और भारत विरोध की राजनीति से कहीं ज्यादा बड़े हैं, जिससे उसकी विदेश नीति के समक्ष एक बड़ा अस्तित्वगत संकट खड़ा हो गया है।

हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है हिन्दी

रमेश सर्राफ धमोरा

हिन्दी हमारे स्वाभिमान और गर्व की भाषा है। हिन्दी ने हमें विश्व में एक नई पहचान दिलाई है। भारत में हर वर्ष 14 सितंबर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा भी है। वह दुनियाभर में हमें सम्मान भी दिलाती है। यह भाषा है हमारे सम्मान, स्वाभिमान और गर्व की। हम आपको बता दें कि हिन्दी भाषा विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा है।

हिन्दी भारत सरकार की आधिकारिक भाषा है और हिंदी बोलने वालों की संख्या भारत में सर्वाधिक है। इसका इतिहास प्राचीन संस्कृत और प्राकृत भाषाओं से जुड़ा है। हिन्दी भाषा का जन्म भारत में ही हुआ था । एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था।हिन्दी एक भारतीय इंडो-यूरोपीय भाषा है जो संस्कृत से विकसित हुई

और देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। देवनागरी लिपि में ही संस्कृत, मराठी, नेपाली और कई अन्य भारतीय भाषाएँ भी लिखी जाती है। देवनागरी का अर्थ है ह्लदेवताओं की लिपिह्व या ह्लशहर की लिपिह्व। यह संस्कृत के दो शब्दों देव (ईश्वर/देवता) और नागरी (नगर/शहर से लिया गया विशेषण) से मिलकर बना है। देवनागरी एक ब्राह्मी-आधारित वर्णमाला है जिसका उपयोग भारत की कई भाषाएँ जैसे हिंदी, मराठी और संस्कृत को लिखने के लिए किया जाता है। इसीलिए हिंदी भाषा को संस्कृत भाषा की प्रत्यक्ष वंशज कहा जाता है।

हिंदी भाषा एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडम्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों ? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दशार्ता है। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है। हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है।

आदिकाल से अब तक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी-प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृध्द किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें एवं इसकी समृध्दि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृध्द मानी जाती है जब उसका साहित्य भी समृध्द हो। बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से हिन्दी में दर्जनों पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदृढ और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है।

भूलना सामान्य है भूल ही जाते हैं

डॉ. वंदना शर्मा

भूलना वरदान है या श्राप। एक सामान्य व्यक्ति दिन में कई बार इस समस्या का सामना करता है। पाठकगण आप भी मेरी बातों से सहमत जरूर होंगे। बल्कि आप ये सोच रहे होंगे हाँ मैं भी अक्सर भूल जाता हूँ / जाती हूँ।

सबसे ज्यादा हम जो भूलते हैं झ्र समय पर दवाई खाना। कितना ही लिखकर दे डॉक्टर, भोजन से पहले, भोजन के बाद। फिर भी भूल ही जाते हैं। कुछ व्यक्ति चश्मा सिर पर लगाकर चश्मा ढूंढते रहते हैं। कुछ अपनी छतरी भूल जाते हैं। जब घर से निकले तो बारिश हो रही थी, महोदय ने छतरी उठाई चल दिए। कहीं किसी से बात करने रुके, या किसी के पास बैठे तब तक बारिश रुक गई और बातों ही बातों में छतरी वहीं छूट गई। बच्चे कॉपी-किताब बैग में रखना भूल जाते हैं। कुछ महिलाएं एक साथ बहुत सारे काम करती हैं। एक काम शुरू किया, बीच में दूसरा पकड़ लिया। दूध गैस पर रखकर भूल गई। कभी गैस बंद करना भूल गई। कुछ अपनी चाबी भूल जाते हैं, कुछ अपना पर्स भूल जाते हैं।

मैं आपको भूलने के कुछ किस्से साझा करना चाहती हूँ। पढ़कर आपको भी लगेगा हाँ यह हमारे साथ भी होता है। पहले मैं बता दूँ आपको, भूलना तभी होता है जब हम एक साथ कई विचार पर कार्य कर रहे होते हैं या किसी कार्य में इतना फोकस कर देते हैं कि अन्य बातें भूल जाते हैं। महान वैज्ञानिक आइंस्टीन तो अपने विचारों में इतना खोए रहते थे कि कोई अचानक से उनका नाम पूछ ले तो वो अपना नाम भी भूल जाते थे।

पर एक बात सोचने की है, जो चीजें हमने बचपन में सीखी पाँच-छह साल तक वो कभी नहीं भूलते। जैसे दो का पहाड़ा, ए बी सी डी, कोई कविता झ्र मछली जल कीझ्र या हो सकता है जब कोई हमसे ये सब पूछता है तो हमारा दिमाग सतर्क हो जाता है, तुरंत संदेश पहुंचता है दिमाग में कि दो का पहाड़ा सुनाना है और हम सही सुना देते हैं।

एक बार एक आदमी अपने छोटे बच्चे को घुमाने ले गया पार्क में। बच्चा पार्क में अन्य बच्चों के साथ खेलने लगा। वह आदमी फोन पर किसी से बात करने लगा। बातों में इतना व्यस्त हुआ कि फोन पर बात करता हुआ घर पहुँच गया। घर पहुंचकर उसकी बीबी ने देखा, बच्चा साथ नहीं है। अपनी बीबी का क्रोधित और चिंताग्रस्त हाव-भाव देख उसने फोन काटा और उसे याद आया कि उसका बच्चा तो पार्क में ही रह गया। फिर उसके साथ क्या हुआ होगा आप कल्पना कर आनंद ले सकते हैं।

एक बार एक प्रोफेसर एक समारोह में अतिथि बनकर गए। मंच पर अन्य अतिथि भी आसीन थे। महोदय ने अपना फोन अपनी जेब में रख दिया। उनके पास बैठे महोदय फोन पर बिजी रहे और उन्होंने अपना फोन काटकर मेज पर रख दिया। उनका फोन भी रंग-रूप में महोदय के फोन जैसा ही था।

भारत सहित पूरे विश्व में अफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ाना एक चुनौती

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी का डिजिटल युग सूचनाओं की अभूतपूर्व शक्ति लेकर आया है।इंटरनेट सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स ने यॉं को जोड़ दिया है,लेकिन इसी के साथअफवाहों और फेक न्यूज का संकट भी तेजी से बढ़ा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि पूराविश्व इस चुनौती से जूझ रहा है कि किस प्रकार झूठी,भ्रामक और जानबूझकर फैलाई गई सूचनाएँ समाज, लोकतंत्र और मानव जीवन को गंभीर नुकसान पहुँचा रही हैं।यह स्थिति अब केवल सामाजिक यानैतिक चिंता का विषय नहीं रही,बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, जनस्वास्थ्य तथा चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है।

अफवाहों का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि वे अक्सर सच का रूप धारण कर लेती हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर वायरल होने वाली सामग्री भावनाओं को भड़काने,डर फैलाने और पूर्वाग्रह को मजबूत करने का काम करती है।भारत जैसे विविधता-पूर्ण देश में, जहाँ भाषा, धर्म, जाति और राजनीतिक मतभेद पहले से मौजूद हैं,अफवाहें सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर देती हैं। वैश्विक स्तर पर भी,अफवाहों ने नस्लीय तनाव,युद्ध जैसी स्थितियों और कूटनीतिकसंबंधों को प्रभावित किया है।फेक न्यूज का सबसे पहला और सबसे गहरा प्रभाव सामाजिक सौहार्द पर पड़ता है। सांप्रदायिक अफवाहें, भ्रामक वीडियो, एडिटेड तस्वीरें और संदर्भ से काटे गए बयान अक्सर हिंसा, दंगों और सामाजिकतनाव को जन्म देते हैं।भारत में बीते वर्षों में कई घटनाएं सामने आई हैं जहां व्हाट्सएप्प संदेशों या सोशल मीडिया पोस्ट के कारण भीड़ हिंसा,लिंचिंग और सांप्रदायिक टकराव हुए। यह दशार्ता है कि अफवाहें केवल सूचना की समस्या नहीं हैं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा का संकट बन चुकी हैं।इसलिए अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अफवाहों से निपटने के लिए केवल सामान्य कानून या प्लेटफॉर्म की स्वैच्छिक नीतियाँ पर्याप्त नहीं हैं। कुछ समय पूर्व मुंबई में मिसिंग पपर्सन्स का मामला जोरशोर से उठ रहा था, मुंबई पुलिस द्वारा जारी चेतावनियों के बाद यह स्पष्ट हुआ कि मिसिंग पर्सन्स की संख्या पिछले वर्षों के औसत के अनुरूप ही थी,यानें अफवाहों पर कानूनी सख्ती की चेतावनी आई,मामला वहीं शांत हो गया।अब दिल्ली में मिसिंग पर्सन्स को लेकर फैली चचाओं ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या वास्तव में कोई असाधारण संकट है,या फिर यह डिजिटल अफवाहों द्वारा निर्मित सामाजिक भय है।दिल्ली में एक बड़ी न्यूज एजेंसी द्वारा यह दावा किया गया कि 2026 के पहले 15 दिनों में दिल्ली में 800 से अधिक लोग लापता हो गए। यह संख्या सुनने में भयावह लगती है,लेकिन इसमें यह नहीं बताया गया कि कितने मामले पारिवारिक विवाद, स्वेच्छा से, एग्जाम का डर, युवकों की नासमझी, लव अफेयर्स से घर छोड़ने या फिर गलत रिपोर्टिंग से जुड़े हैं।सोशल मीडिया पर वीडियो, ऑडियो क्लिप और भावनात्मक पोस्ट वायरल हों रहें हैं। एक बड़े नेता द्वारा एक्स (पूर्व ट्विटर) पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद यह मुद्दा और अधिक चर्चा में आ गया।हालाँकि, जब आँकड़ों का विश्लेषण किया गया तो सामने आया कि दिल्ली में मिसिंग पर्सन्स की रिकवरी दर लगभग 77 प्रतिशत है। अर्थात, लापता घोषित किए गए लोगों में से एक बहुत बड़ा हिस्सा सुरक्षित रूप से वापस मिल जाता है।यह दर कई अंतरराष्ट्रीय महानगरों की तुलना में बेहतर मानी जाती है।मीडिया के हवाले से सुनने को मिला है कि दिल्ली पुलिस ने बताया कि हाल के अलग-अलग महीनों में मिसिंग पर्सन्स की जो संख्या बताई जा रही है वैसी ही संख्या पिछले वर्षों की औसत अवधि से भिन्न नहीं है तथा दिल्ली पुलिस के एक बड़े अधिकारी का बयान मैंने सुना उन्होंने कहा कि अफवाओं पर ध्यान ना दें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर अफवाहों का प्रभाव अत्यंत चिंताजनक है।

चुनावों के दौरान फेक न्यूज मतदाताओं की सोच को प्रभावित करती है, उम्मीदवारों की छवि बिगाड़ती है और चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े करती है। भारत में हाल के वर्षों में चुनावी समय पर सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई गई भ्रामक जानकारियाँ इसका उदाहरण हैं।कई देशों में चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप और संगठित फेक न्यूज अभियानों की पुष्टि हुई है। यदि लोकतंत्र को सुरक्षित रखना है, तो अफवाहों को केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। बात अगर हम जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में अफवाहों का प्रभाव और घातक सिद्ध हुआ है इसको समझने की करें तो कोविड-19 महामारी के दौरान दुनियाँ ने देखा कि कैसे झूठी सूचनाओं ने वैक्सीन को लेकर डर पैदा किया, इलाज के नाम पर खतरनाक घरेलू नुस्खों को बढ़ावा दिया और स्वास्थ्य प्रणालियों पर अविश्वास फैलाया।

भारत सहित कई देशों में अफवाहों के कारण लोगों ने समय पर इलाज नहीं कराया, जिससे जानमाल की क्षति हुई। यह स्पष्ट है कि जब अफवाहें जीवन और मृत्यु का प्रश्न बन जाएँ, तब उन्हें रोकना केवल नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि कानूनी आवश्यकता बन जाती है।भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्मों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है।व्हाट्सएप्प फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अफवाहों के सबसे बड़े वाहक बन चुके हैं।

डॉक्टरों की नई पौध तैयार कर रही सरकार, यूपी में मेडिकल शिक्षा ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ।
डॉक्टर बनने का सपना देख रहे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए योगी सरकार ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों का पिटारा खोल दिया है। प्रदेश में नीट यूजी-2026 की दूसरी काउंसलिंग 14 सितंबर से शुरू होने जा रही है। इसी बीच मेडिकल शिक्षा के विस्तार के आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में लंबी छलांग लगाई है।

वर्ष 2017 में प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे और एमबीबीएस की 4,690 सीटें थीं। वहीं 20 अगस्त 2026 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 और एमबीबीएस सीटें 13,600 पहुंच गई हैं। यानी आठ वर्षों में 49 नए मेडिकल कॉलेज और 8,910 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों का विस्तार हुआ है। यह बदलाव सिर्फ मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या का आंकड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश में हर साल चिकित्सा शिक्षा हासिल करने के लिए उपलब्ध अवसरों के बड़े विस्तार की कहानी है। वर्ष 2012 में जहां प्रदेश में कुल 2,740 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या 13,600 हो गई है। यानी करीब पांच गुना बढ़ी सीटों की क्षमता आने वाले वर्षों में डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने का आधार बन रही है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने बदली तस्वीर

मेडिकल शिक्षा के विस्तार में राजकीय क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम रही है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 15 राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित थे। 20 अगस्त 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर 45 हो गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी वर्ष 2017 की 1,990 से बढ़कर 5,350 हो गई है। यानी इन वर्षों में राजकीय क्षेत्र में 3,360 सीटों का इजाफा हुआ है। इससे सरकारी मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों का दायरा पहले के मुकाबले कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। मेडिकल शिक्षा के इस विस्तार से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चिकित्सा शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आधार मजबूत हुआ है।

निजी क्षेत्र में भी बढ़ी क्षमता

मेडिकल शिक्षा के विस्तार में निजी क्षेत्र ने भी योगदान दिया है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 21 निजी मेडिकल कॉलेज थे, जो 20 अगस्त 2026 तक बढ़कर 40 हो गए हैं। निजी क्षेत्र में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी 2,700 से बढ़कर 8,250 हो गई है। इस तरह वर्ष 2017 के मुकाबले निजी क्षेत्र में 5,550 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटें बढ़ी हैं। सरकारी और निजी क्षेत्र की बढ़ती क्षमता ने प्रदेश में मेडिकल शिक्षा के कुल अवसरों का दायरा व्यापक किया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा असत्य से सत्य और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाली : कुलपति वंगछुग

वाराणसी।
केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ के कुलपति भिक्षु प्रो. (डा.) वंगछुग दोर्जे नेगी ने कहा कि भारत की सभी क्षेत्रीय भाषाएं ज्ञान की छोटी-छोटी नदियों की तरह हैं। इनके समागम से भारतीय भाषाएं और अधिक समृद्ध और प्रभावशाली बनेंगी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का मूल भाव 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्मा अमृतं गमय' में निहित है। यह परंपरा मनुष्य को असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से अमृत की ओर ले जाने वाली है। राग, द्वेष और मोह जैसी विकृतियां चेतना पर अंधकार डालती हैं। जब तक इनसे मुक्ति नहीं मिलेगी, तब तक मनुष्य वास्तविक सुख और ज्ञान को प्राप्त नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि आज मनुष्य शरीर और भौतिक सुविधाओं पर अधिक ध्यान दे रहा है, जबकि चेतना और चित्त की उपेक्षा हो रही है।

जिस प्रकार शरीर के लिए रोटी, कपड़ा और मकान आवश्यक है, उसी प्रकार चेतना के लिए शील, समाधि और ध्यान आवश्यक हैं। इनके बिना वास्तविक ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है।

वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में रविवार को हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित भारतीय भाषा समागम-2026 में भारतीय ज्ञान परंपरा, क्षेत्रीय भाषाओं और समृद्ध भारत को लेकर गहन मंथन हुआ।

बतौर विशिष्ट अतिथि कुलपति नेगी ने पुनर्जन्म की अवधारणा पर कहा कि शरीर, परिवार, संसार और धन-दौलत के प्रति आसक्ति मनुष्य को बांधे रखती है। मृत्यु के समय भी यदि व्यक्ति इन मोहों से मुक्त नहीं हो पाता तो जन्म-मृत्यु का क्रम जारी रहता है। मृत्यु के समय शरीर और सांसारिक आसक्तियों से शांत भाव से मुक्त होना ही अमृत की ओर जाने का मार्ग है।

तीन कसौटियों पर खरी उतरे वही परंपरा

कुलपति ने कहा कि हर प्रथा को परंपरा नहीं कहा जा सकता। वास्तविक परंपरा का स्रोत प्रमाणित होना चाहिए, वह निरंतर और अविच्छिन्न रूप से चलती आनी चाहिए तथा चिंतन और विश्लेषण की कसौटी पर

वैदिक ज्ञान भारत की अमूल्य धरोहर, संरक्षण हम सभी का दायित्व : केशव मौर्य

मीरजापुर।
मां विंध्यवासिनी धाम में रविवार को पहली बार आयोजित ऐतिहासिक वैदिक संदेश यात्रा भव्यता के साथ संपन्न हुई। करीब 500 बटुकों और विभिन्न प्रांतों से आए विद्वान-आचार्यों ने यात्रा के माध्यम से वैदिक संस्कृति, परंपरा और ज्ञान के संरक्षण का संदेश दिया। मां विंध्यवासिनी मंदिर से सुबह शुरू हुई यात्रा पुरानी वीआईपी मार्ग, राम-जानकी मंदिर, स्टेट बैंक चौराहा, बावली चौराहा और बंगाली चौराहा होते हुए विंध्य रेजिडेंसी पहुंची। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वेदों में निहित ज्ञान भारत की अमूल्य धरोहर है। इसका संरक्षण और संवर्धन हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि वेद पाठशाला में शिक्षा प्राप्त करने वाला प्रत्येक बटुक लोक कल्याण की भावना के साथ आगे बढ़ता है। वेदों की गूंज अनंत काल तक भारत भूमि पर सुनाई देती रहेगी।

उन्होंने बताया कि उज्जैन स्थित महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से देशभर के करीब 100 वेद विद्यालय जुड़े हैं। कई स्थानों पर नए विद्यालय भी शुरू हुए हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार वैदिक संस्कृति तथा धार्मिक स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए कार्य कर रही है।

मौर्य ने कहा कि विंध्याचल आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मां विंध्यवासिनी और अष्टभुजा देवी की पौराणिक परंपरा इस क्षेत्र को विशिष्ट बनाती है।

विंध्यधाम में श्रद्धालुओं की सुविधाओं में भी लगातार सुधार किया जा रहा है।

उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि आज श्रद्धालुओं को बेहतर दर्शन व्यवस्था और सुविधाएं मिल रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विरुपाक्ष वी. जद्दीपाल ने की। इस दौरान पूर्व कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल, नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्र, एमएलसी विनीत सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी समेत अन्य अतिथि मौजूद रहे।

क्षेत्रीय भाषाओं ने थामी राष्ट्र की डोर, भारत के निर्माण में निभाई बड़ी भूमिका : डॉ. नीलकंठ तिवारी

वाराणसी।
काशी केवल धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि ज्ञान और आध्यात्मिक चिंतन की विश्व की विशिष्ट भूमि है। प्रयाग, अयोध्या और मथुरा भक्ति से जुड़ी धार्मिक नगरी हैं, लेकिन ज्ञान की प्राप्ति करनी है तो काशी से बेहतर स्थान नहीं हो सकता।

यह बातें रविवार को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ सभागार में हिन्दुस्थान समाचार की ओर से आयोजित भारतीय भाषा समागम-2026 में विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहीं। उन्होंने कहा कि इतने विद्वानों के बीच इस मंच से बोलना उनके लिए भिक्षुक के समान है, क्योंकि यहां आने वाला व्यक्ति ज्ञान प्राप्त करता है। हिन्दुस्थान समाचार परिवार और अरविंद जी जिस तरह शोध और खोज के बाद विषय सामने लाते हैं, उससे उस विषय को सुनने और समझने की स्वाभाविक रुचि पैदा होती है।

काशी की ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने शंकराचार्य से जुड़ा प्रसंग सुनाया। कहा कि काशी में ज्ञान की परंपरा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रही, बल्कि यहां प्रत्येक व्यक्ति में ईश्वर के दर्शन करने की दृष्टि विकसित हुई। शंकराचार्य और स्वच्छता कर्मी से जुड़े प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब उन्हें यह स्मरण कराया गया कि सभी के भीतर एक ही ईश्वर का वास है, तब उन्होंने उस व्यक्ति में साक्षात भगवान के दर्शन किए। काशी में शंकराचार्य को भी ज्ञान की पूर्णता प्राप्त हुई।

अधिवक्ताओं के लिए 5 लाख Cashless Medical Insurance का ऐतिहासिक निर्णय, डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जताया आभार

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ : प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं को **5 Lakh Cashless Medical Insurance** सुविधा प्रदान करने की घोषणा के लिए सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। आमजन के अधिकारों की रक्षा करने, जरूरतमंदों को न्याय दिलाने और कानून के शासन को मजबूत करने में अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में अधिवक्ताओं के साथ-साथ उनके परिवारों की स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्होंने 2 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर प्रदेश के अधिवक्ताओं एवं उनके परिवारों के लिए व्यापक बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह किया था। पत्र के माध्यम से अधिवक्ताओं के लिए जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा एवं दुर्घटना बीमा की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव रखा गया था, ताकि बीमारी, दुर्घटना अथवा किसी आकस्मिक परिस्थिति में अधिवक्ता परिवारों को आर्थिक संकट का सामना न करना पड़े। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश के सभी अधिवक्ताओं के लिए **5 Lakh Cashless Medical Insurance** सुविधा की घोषणा अधिवक्ता समाज और उनके परिवारों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच है। गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक स्वास्थ्य संकट की स्थिति में महंगे उपचार का खर्च परिवार पर आर्थिक बोझ न बने, इस दिशा में यह निर्णय अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जो अधिवक्ता समाज के अधिकारों और न्याय के लिए निरंतर संघर्ष करते हैं, उनके स्वास्थ्य और परिवारों की सुरक्षा के लिए प्रदेश सरकार का यह संवेदनशील निर्णय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोककल्याणकारी सोच और अधिवक्ता समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने पुनः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के अधिवक्ताओं को **5 Lakh Cashless Medical Insurance** उपलब्ध कराने का यह निर्णय उनके और उनके परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

जीआरपी ने 1 वारंटी को दबोचा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज पुलिस ने ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत कार्रवाई करते हुए एक वारंटी को गिरफ्तार किया। प्रभारी निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में उ0नि0 सौरभ सिंह की टीम ने राहुल शुक्ला उर्फ राघवेन्द्र शुक्ला पुत्र राधेश्याम शुक्ला निवासी पुरेशुक्लन मिसरौली, गौरीगंज, अमेठी को रेलवे स्टेशन प्रयागराज के प्लेटफार्म नं0 एक से गिरफ्तार किया। अभियुक्त के खिलाफ रळ ठङ्क. 300/2011 अ0सं0 290/2010 में वांछित था, उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

बाइक की टक्कर से वृद्ध की मौत, चालक फरार

मीरजापुर।
चुनार थाना क्षेत्र के सक्तेशगढ़ चौकी अंतर्गत गोबरदहा गांव के सामने रविवार को सड़क पार कर रहे वृद्ध को तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्ध की ट्रॉमा सेंटर वाराणसी ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। घटना के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया।

गोबरदहा गांव निवासी 66 वर्षीय जैसराम सिंह रविवार को गांव के सामने राजगढ़-चुनार मार्ग पार कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

छात्रों को एआई का केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि बनना होगा रचनाकार : आनंदी बेन पटेल

कानपुर।
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से डरने के बजाय इसे समझकर समाज की जरूरतों के अनुसार इस्तेमाल करना चाहिए। छात्रों को एआई का केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि रचनाकार बनना होगा। विज्ञान, साहित्य और भाषा समेत हर विषय को एआई से जोड़कर उसके व्यावहारिक प्रयोग पर जोर दिया जाना चाहिए। यह बातें रविवार को प्रदेश की राज्यपाल एवं सीएसजेएमयू की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने रविवार को विश्वविद्यालय में दो दिवसीय एआई मंथन-2.0 के समापन सत्र में कही।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सात लाख से अधिक छात्र एआई का पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं। अब विद्यार्थियों को ऐसे मॉडल विकसित करने चाहिए, जो किसानों, दिव्यांगजनों और मरीजों के काम आ सकें। एआई के जरिए सिंचाई की जरूरत, रोग की पहचान और फसल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उपयोगी समाधान तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा और विरासत को सुरक्षित रखने में भी एआई के इस्तेमाल पर जोर दिया।

कुलाधिपति ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों में प्रशासनिक कार्यों में एआई के प्रयोग और शिक्षकों व छात्रों को एआई साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण देने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि कॉलेजों में भी एआई प्रशिक्षण दिया जाए। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय मंथन में कैंसर की पहचान से लेकर फसल प्रबंधन तक विभिन्न क्षेत्रों में एआई के प्रयोग पर चर्चा हुई।

मणिकर्णिका युवती सम्मेलनों से नेतृत्व और स्वावलंबन को मिलेगा मंच : शिवा राजे बुंदेला

कानपुर।
युवतियों को विचार, संवाद, आत्मविश्वास और नेतृत्व का व्यापक मंच उपलब्ध कराने के साथ उन्हें समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका के लिए तैयार किया जाएगा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रव्यापी आह्वान के तहत दो से 10 अक्टूबर तक कानपुर प्रांत के 21 संगठनात्मक जिलों में मणिकर्णिका युवती सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। यह बातें अखिल विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं प्रांत छात्रा प्रमुख शिवा राजे बुंदेला ने प्रेस वार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि मणिकर्णिका युवती सम्मेलन केवल युवतियों को एक स्थान पर जुटाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उनके व्यक्तित्व, नेतृत्व क्षमता और स्वावलंबन को बढ़ावा देने का मंच है। सम्मेलन में 18 से 35 वर्ष की युवतियां प्रतिभाग करेंगी और प्रत्येक सम्मेलन में करीब एक हजार युवतियों की सहभागिता होगी। अभाविप की ओर से बताया गया कि यह अभियान केवल कानपुर प्रांत तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर में युवती शक्ति को नेतृत्व, आत्मविश्वास और स्वावलंबन से जोड़ने के लिए अलग-अलग प्रांतों में सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। कानपुर प्रांत में 21 संगठनात्मक और 14 प्रशासनिक जिलों में जिलावार आयोजन कर इस राष्ट्रव्यापी अभियान को व्यापक रूप दिया जाएगा।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मिशन साहसी का विशेष प्रदर्शन होगा। इसके माध्यम से युवतियों को विषम परिस्थितियों में आत्मरक्षा, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास के महत्व से परिचित कराया जाएगा। इसके अलावा पंच परिवर्तन, महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन और समसामयिक विषयों पर विशेष सत्र होंगे। प्रांत सहमंत्री आयुषी त्रिपाठी ने कहा कि यह अभियान युवती शक्ति को राष्ट्र निर्माण के व्यापक संकल्प से जोड़ने का प्रयास है। वहीं कानपुर विभाग की विभाग छात्रा प्रमुख खुशी भारती ने 18 से 35 वर्ष की युवतियों से सम्मेलन में सक्रिय सहभागिता की अपील की।

हॉस्टल से भागकर दिल्ली जा रहे चार नाबालिग लूसा स्टेशन पर पकड़े गए

यात्रियों को बातचीत में हुआ शक, स्टेशन मास्टर ने खाना खिलाकर पुलिस को सौंपा

मीरजापुर।
झारखंड के एक आश्रम विद्यालय के हॉस्टल से बिना बताए भागकर दिल्ली जा रहे चार नाबालिगों को यात्रियों ने लूसा रेलवे स्टेशन पर पकड़ लिया। बरवाडीह-चुनार पैसेंजर ट्रेन में सवार बच्चों से बातचीत के दौरान यात्रियों को उनके दिल्ली जाने की बात संदिग्ध लगी। इस पर उन्होंने लूसा स्टेशन पर चारों को उतारकर स्टेशन मास्टर के सुपुर्द कर दिया।

स्टेशन मास्टर संजय कुमार ने बच्चों से पूछताछ की तो उन्होंने हॉस्टल के वार्डेन का मोबाइल नंबर बताया। वार्डेन से संपर्क करने पर पता चला कि शनिवार रात करीब 11 बजे चारों बच्चे हॉस्टल से बैग लेकर बिना बताए निकल गए थे। इसके बाद से उनकी तलाश की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार चारों नाबालिग झारखंड के अलग-अलग क्षेत्रों के रहने वाले हैं और आश्रम विद्यालय के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहे थे। इनमें दो बच्चे कक्षा छह, एक कक्षा पांच और एक कक्षा तीन में पढ़ता है।

हमीरपुर में पुत्र को बचाने नाले में कूदे पिता की मौत, 20 घंटे बाद मिला शव

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शनिवार को मछली पकड़ने गए ग्रामीणों के नाला पार करते समय एक बच्चा नाले में बहने लगा। इस दौरान साथ चल रहे ग्रामीण ने बच्चे को सुरक्षित निकाल लिया गया लेकिन नाले में कूदा पिता तेज बहाव में बह गया। 20 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रविवार को शव बरामद हो गया। पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है।

मौदहा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उरदना निवासी रामकिशोर उर्फ. डगरु (45) पुत्र भजनी, गनेशा (50) पुत्र रामरतन और मोहित (10) पुत्र रामकिशोर गांव के निकट से निकले श्याम नाले में मछली पकड़ने गए थे । सभी नाला पार कर रहे थे तभी मोहित का पैर फिसल गया और वह पानी में चला गया जिसे बचाने के लिए उक्त दोनों व्यक्ति भी पानी में कूद गए। तेज बहाव में मोहित को किसी तरह बचा लिया गया लेकिन पिता रामकिशोर नाले में बह गया । घटना को लेकर ग्रामीण फौरन नाले में कूद कर तलाश करने लगे लेकिन पानी का बहाव तेज होने के चलते उसका कोई सुराग नहीं लगा।

घटना की सूचना मिलते ही उपजिलाधिकारी कर्णवीर सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय सहित भारी संख्या में पुलिस बल और ग्रामीणों के साथ गोताखोर रामकिशोर की तलाश करते रहे । क्षेत्राधिकारी राजकुमार पाण्डेय ने बताया कि बीस घंटे चले सर्च आपरेशन के बाद रविवार को रामकिशोर का शव बरामद कर लिया गया। फिलहाल पुलिस ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजस्व विभाग की ओर से हर सम्भव सरकारी सहयोग दिलाने की बातें कहीं जा रही हैं। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों में कोहराम मच गया है।

श्रीराम मंदिर में पंचायतन यज्ञ प्रारम्भ

अयोध्या।
श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर की यज्ञशाला में रविवार को भाद्रपद शुक्ल द्वितीया से नित्य पंचायतन यज्ञ प्रारंभ हो गया है। अनवरत चलने वाले इस यज्ञ के पहले दिन के यजमान ट्रस्ट के निर्माण अभियंता जगदीश आफले सपत्नीक थे। अलग अलग दिनों में भिन्न यजमान की योजना है।
यज्ञ प्रातः आठ से बारह बजे तक चला। पंचायतन यज्ञ में भगवान विष्णु समेत पांचों देवताओं प्रथम पूज्य श्री गणेश, सूर्य, शिव एवं मां शक्ति की अर्चना की गई और उनके नाम की आहुतियां डाली गईं।

चार लाख से अधिक की स्मैक के साथ तस्कर गिरफतार

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में नैनी थाना पुलिस टीम ने रविवार को नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 96 पुड़ियों में 13.60 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। आरोपित स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर लोगों को बेचता था। बरामद स्मैक की अनुमानित कीमत चार लाख से अधिक की है।
पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित नैनी कोतवाली क्षेत्र के चकभटाही मोहल्ला निवासी आकाश भारतीया उर्फ छोटकउ है। नैनी पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक युवक नशीला पदार्थ लेकर उसे बेचने की तैयारी में है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने टीएसएल कंपनी गेट के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित वर्तमान में महुआरी, थाना औद्योगिक क्षेत्र में रह रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 96 पुड़ियों में कुल 13.60 ग्राम स्मैक बरामद हुई।
पूछताछ में आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह स्मैक की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर परिचित ग्राहकों को बेचता था। रविवार को भी वह स्मैक बेचने की तैयारी में था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ नैनी थाने में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपित के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और पॉक्सो एक्ट समेत छह मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2026 के चार और वर्ष 2025 तथा 2019 का एक-एक मुकदमा शामिल है।

क्षमा पर्व पर 15 को बंद रहेंगी मांस और मदिरा की दुकानें

अयोध्या।
जैन धर्म के पवित्र पर्यूषण पर्व (क्षमा पर्व) के मद्देनजर अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में संचालित मांस एवं मदिरा की दुकानें 15 सितंबर को बंद रहेंगी। इस संबंध में नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल ने रविवार को आदेश जारी किया है।
जैन श्वेतांबर स्थानकवासी संघ की ओर से पर्यूषण पर्व को धर्म, ध्यान और तपस्या के साथ मनाए जाने के दृष्टिगत मांस एवं मदिरा की दुकानें बंद रखने का आग्रह किया गया था। संघ के अनुरोध पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित दुकानों को 15 सितंबर को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने जैन मंदिरों के आसपास विशेष साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश नगर निगम के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए हैं, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

काशी को बदनाम करने की साजिश, सीवर में डाली गई बालू-गिट्टी की बोरियां : एके शर्मा

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में प्रभारी मंत्री तथा प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने रविवार को पुलिस लाइन में भाजपा की कोर कमेटी, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों के साथ-साथ जिले में चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की।
बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में एके शर्मा ने बताया कि पहले भाजपा के जनप्रतिनिधियों के साथ जिले की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा की गई। इसके बाद अधिकारियों के साथ प्रशासनिक और विकास संबंधी विषयों की समीक्षा हुई। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा कार्यकर्ता और प्रशासन मिलकर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। विशेष रूप से दिव्यांग, वृद्ध और निराश्रित पेंशन जैसी व्यक्तिगत लाभार्थी योजनाओं से पात्र लोगों को जोड़ने पर जोर दिया जाएगा।
वाराणसी में सीवर सफाई के दौरान मुख्य लाइनों से बालू-गिट्टी से भरी बोरियां, बुरादा और प्लास्टिक की थैलियां मिलने के संबंध में पूछे गए सवाल पर प्रभारी मंत्री ने इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त ने उन्हें इसकी तस्वीरें और वीडियो भी दिखाए हैं। मुख्य सीवर लाइनों में बड़ी संख्या में सीमेंट की बोरियों में गिट्टी और बालू भरकर डाले जाने से प्रथमदृष्टया यह प्रतीत होता है कि काशी को बदनाम करने का षड्यंत्र किया गया है।
उन्होंने कहा कि वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है। इस प्रकार की हरकत के माध्यम से प्रधानमंत्री, नगर प्रबंधन और राज्य प्रशासन को बदनाम करने का प्रयास किया गया है। इसके कारण जलभराव हुआ और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि पुलिस प्रशासन ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।
समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के रामपथ को लेकर दिए गए बयान पर शर्मा ने कहा कि जो लोग काशी को बदनाम करने से पीछे नहीं हट रहे हैं, वे किसी को भी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने अखिलेश यादव को भी इस राजनीति में शामिल बताया।
अक्षय ऊर्जा अभियान के संबंध में एके शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत अक्षय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश भी इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।
उन्होंने कहा कि प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणेश चतुर्थी पर प्रदेशवासियों को लिखी पाती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणेश चतुर्थी पर प्रदेशवासियों को लिखी पातीलखनऊ।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम पाती लिखी है। उन्होंने गणेश चतुर्थी की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा है 'वोकल फॉर लोकल' को केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार का अंग बनाएं।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाती में कहा कि मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, सामाजिक एकता एवं राष्ट्र के प्रति अपने संकल्प को सुदृढ़ करने वाले महापर्व गणेश चतुर्थी की आप सभी को कोटि-कोटि मंगलकामनाएं।
उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव के ज्ञान, विवेक और कर्म की भावना सृजन तथा निर्माण के स्वरूप भगवान विश्वकर्मा के पूजन में दिखाई देती है। 17 सितंबर को जब सृष्टि के प्रथम अभियंता भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया जाएगा, तब कौशल एवं तकनीक के संगम से नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प और पुष्ट होगा।
मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि मैं आप सभी से विशेष आग्रह करना चाहूंगा कि 'वोकल फॉर लोकल' को केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार का अंग बनाएं। स्थानीय उत्पादों का सम्मान बढ़ेगा, तो कारीगरों के हाथों को काम, युवाओं को रोजगार के अवसर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हुनर तथा स्थानीय सामर्थ्य पर विश्वास से ही आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

युगांडा की उपराष्ट्रपति आज निहारेंगी ताज की खूबसूरती को

आगरा ।
दिल्ली में ब्रिक्स देशों के 18 वें सम्मेलन में भाग लेने दिल्ली पहुंची रिपब्लिक ऑफ युगांडा की उपराष्ट्रपति सोमवार को दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा चलकर आगरा पहुंचेंगी और ताज का दीदार करेंगी ।आगरा में ताजमहल पर करीब डेढ़ घंटे रहने के बाद दिल्ली लौट जाएंगी।
सोमवार को रिपब्लिक आफ युगांडा की उप राष्ट्रपति जेसिका अलपो सडक मार्ग द्वारा नई दिल्ली से प्रस्थान कर आगरा यमुना एक्सप्रेस होते हुए करीब

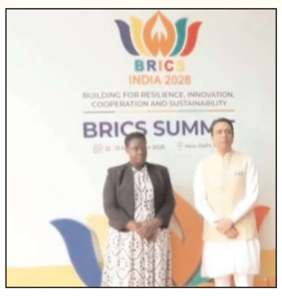

12:00 बजे ताजमहल पहुंचेंगी।
करीब डेढ़ घंटे ताजमहल का दीदार करने और उसकी खूबसूरती निहारने के बाद उपराष्ट्रपति ताजमहल की निकट ही एक पांच सितारा होटल पहुंच कर वहां अल्प विश्राम करने और दोपहर का भोजन लेने के बाद करीब 3:30 बजे सड़क मार्ग से ही दिल्ली लौट जायँगी
युगांडा के उपराष्ट्रपति के ताजमहल भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए है, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा भी उनके आगमन के दौरान सुरक्षा मानकों के पालन करने और आम पर्यटकों को सुविधा को दृस्टिगत विशेष प्रबंध किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में 14 आईएएस और 34 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश प्रदेश सरकार ने रविवार की देर रात 14 आईएएस का तबादला हो गया हैं। इनमें तीन सचिव, छह विशेष सचिव और जिला स्तर के पांच सीडीओ, अपर पदनाम के कुल 14 आईएएस अफसर शामिल है। इसके साथ ही साथ शासन ने 34 पीसीएस अधिकारियों के तबादले भी किए हैं।
तबादले के क्रम आईएएस सुमित राजेश महाजन मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सहारनपुर से मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), उत्तर प्रदेश स्टार्ट-अप मिशन बनाए गए हैं। डॉ० सुनील कुमार वर्मा अपर आयुक्त, राज्य कर, उत्तर प्रदेश से मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) सहारनपुर के पद पर तैनात किए गए हैं। राहुल सिंह को विशेष सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग से अब विशेष सचिव, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), अभिषेक कुमार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), लखीमपुर खीरी से हटाकर विशेष सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की जिम्मेदारी दी गई है।
योगानन्द पाण्डेय को अपर जिलाधिकारी (नगर), अयोध्या से अब मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), लखीमपुर खीरी बनाए गए हैं। साहब सिंह को सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, प्रयागराज से अब सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के पद पर भेजे गए हैं। डॉ० विश्राम को अपर आयुक्त, विन्ध्याचल मंडल से अब सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, प्रयागराज नियुक्त किए गए हैं। इनके अलावा देवेन्द्र कुमार सिंह कुशवाहा को विशेष सचिव, रेशम विभाग एवं निदेशक, रेशम से अब सदस्य (न्यायिक), राजस्व परिषद, प्रयागराज, आनन्द कुमार शुक्ला को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), अम्बेडकर नगर से अब विशेष सचिव, रेशम विभाग तथा निदेशक, रेशम, उत्तर प्रदेश, वैभव मिश्रा को अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), कुशीनगर से अब मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ), अम्बेडकर नगर बनाए गए हैं।
अशोक कुमार कनौजिया को संयुक्त निदेशक, युवा कल्याण से विशेष सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन बनाए गए हैं। अरुण कुमार को अपर आयुक्त, अलीगढ़ मंडल से विशेष सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, प्रदीप कुमार यादव को अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, सहारनपुर से अपर आयुक्त, अलीगढ़ मंडल बनाए गए हैं।

24 साल बाद फिर हेतमापुर में सरयू का कहर, कटान की भेंट चढ़े मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज

बाराबंकी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के सूरतगंज ब्लॉक के हेतमपुर गांव में दिनों दिन सरयू नदी की कथा बढ़ती जा रही है लाख इंतजाम के बावजूद नदी रोके नहीं रुक रही है। बीते रविवार की रात से लेकर सोमवार की सुबह तक नदी की कटान जारी थी। सरयू नदी ने करीब 24 साल बाद सूरतगंज ब्लॉक के हेतमापुर गांव में एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। तेज धारा के साथ हो रहे कटान में नया हनुमान मंदिर और टेलीफोन एक्सचेंज का भवन नदी की धारा में समा गया। कटान का दायरा लगातार बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। खास बात यह है कि नदी इस बार भी करीब उसी स्थान तक पहुंची है, जहां दो दशक से अधिक समय पहले कटान का कहर बरपा था।
ग्रामीणों के अनुसार वर्ष 2002 के आसपास हेतमापुर में सरयू नदी ने इसी तरह भीषण कटान किया था। उस समय यहां स्थित पुराना हनुमान मंदिर भी नदी की धारा में कट गया था। कटान रोकने के लिए लगातार बचाव कार्य कराए गए और बड़ी मात्रा में बोल्डर डाले गए, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद नदी पीछे हटने का नाम नहीं ले रही थी। स्थिति बिगड़ने पर टेलीफोन एक्सचेंज की मशीनरी तक सुरक्षित स्थान पर हटानी पड़ी थी।
बाद में टेलीफोन भवन के आसपास नदी का रुख थमा और कटान कुछ कम हुआ। ग्रामीणों के मुताबिक उस समय तैनात जेई वीपी सिंह के प्रयास से वहां नया हनुमान मंदिर बनवाया गया था। करीब 24 वर्ष बाद इस बार वही मंदिर भी सरयू की कटान की चपेट में आ गया। इसके साथ ही टेलीफोन एक्सचेंज का भवन भी नदी की तेज धारा में ढह गया।

बाबा नारायण दास मंदिर के करीब पहुंची नदी

वर्तमान में प्रशासन और बाढ़ कार्य खंड की ओर से कटान रोकने के लिए बोल्डर डालकर बचाव कार्य कराया जा रहा है। हालांकि सरयू कटान करते हुए बाबा नारायण दास मंदिर के बेहद करीब पहुंच गई है। इससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

पुराना मंजर देख सहमे ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि करीब 24 वर्ष पहले भी नदी इसी तरह मंदिरों के आसपास पहुंचकर थमी थी। इस बार भी हालात लगभग वैसे ही बन गए हैं। पूर्व भाजपा विधायक राजलक्ष्मी वर्मा ने बताया कि उस समय उन्होंने सरकार से प्रयास कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कराई थी, लेकिन सत्ता परिवर्तन के बाद तत्कालीन सपा सरकार ने उसे निरस्त कर दिया। उनका कहना है कि यदि उस समय कार्य हो जाता तो केदारीपुर और हेतमापुर गांव आज नदी के कटान से सुरक्षित होते।

हरिदासजी ने प्रदान की बांकेबिहारी की अलौकिक छवि: हेमा मालिनी

वृंदावन में 18-19 सितंबर को सजेगा स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव, सांसद हेमा मालिनी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

मथुरा।
भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान संवाहक स्वामी हरिदास की स्मृति में आयोजित होने वाले स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। श्री राधाष्टमी और स्वामी हरिदास जी के आविर्भाव दिवस के अवसर पर यह दो दिवसीय भव्य आयोजन 18 और 19 सितंबर को रमणरेती स्थित वन महाराज कॉलेज में किया जाएगा। इसकी जानकारी रविवार सांसद हेमामालिनी ने पत्रकारवार्ता करके दी है।
स्थानीय सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि स्वामी हरिदासजी महाराज हमारी पवित्र ब्रजभूमि की वह महान विभूति हैं, जिन्होंने अपनी स्वर साधना से न केवल पूरी दुनिया को भारतीय संगीत से परिचित कराया, बल्कि ठाकुर श्रीबांके बिहारी जी महाराज जैसी अलौकिक छवि भी प्रदान की, जो दुनियाभर के कृष्ण भक्तों को आकर्षित करती है। उन्होंने कहा कि सम्राट अकबर को अपने सुरों से नतमस्तक करने वाले संत की याद में होने वाला यह आयोजन संस्कृति और संगीत प्रेमियों के लिए एक अद्भुत उपहार है।
पूर्व विधायक प्रदीप माथुर ने कार्यक्रम में कहा कि इस प्रतिष्ठित महोत्सव में पिछले ढाई दशकों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकार अपनी कला का जादू बिखेरते आ रहे हैं। संगीत शिरोमणि स्वामी हरिदास समिति के सचिव गोपी गोस्वामी ने बताया कि सांसद हेमा मालिनी के अथक प्रयासों से वृंदावन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का सुंदर उपहार मिला है।
संगीत शिरोमणि श्री स्वामी हरिदास समिति द्वारा आयोजित इस महोत्सव में इस बार कथक, शास्त्रीय गायन, संतूर, सितार, सूफी गायन और काव्य पाठ की मनमोहक प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी।
पहला दिन 18 सितंबर को प्रसिद्ध कथक नर्तक पंडित विशाल कृष्ण अपनी टीम के साथ कथक की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा, मध्य प्रदेश की प्रतिभाशाली बहनों संस्कृति एवं प्रकृति द्वारा संतूर व सितार वादन प्रस्तुत किया जाएगा।

नशाखोरी युवाओं के भविष्य के साथ-साथ परिवार के लिए भी गंभीर चुनौती: अशोक तिवारी

लखनऊ।
विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) अवध प्रान्त की मार्गदर्शक मण्डल की बैठक रविवार को शांति उपवन लखनऊ में संपन्न हुई। बैठक में विहिप के केंद्रीय मंत्री एवं प्रवक्ता अशोक तिवारी ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी तथा जनसंख्या संबंधी बदलते सामाजिक परिदृश्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए समाज में व्यापक जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया है।
अशोक तिवारी ने कहा कि नशाखोरी युवाओं के भविष्य के साथ-साथ परिवार और समाज के लिए भी गंभीर चुनौती बनती जा रही है। युवाओं को नशे से दूर रखने तथा उन्हें स्वस्थ और सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है।
विहिप की युवा शाखा बजरंग दल तथा दुर्गा वाहिनी के माध्यम से नशामुक्ति और सामाजिक जागरूकता से जुड़े अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और उन्हें राष्ट्र एवं समाज के प्रति सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है।
जनसंख्या के मुद्दे पर भी अशोक तिवारी ने हिन्दू समाज की घटती जन्मदर और बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप को लेकर चिंता व्यक्त की है। उनका जोर समाज में जनसंख्या से जुड़े विषयों पर जागरूकता बढ़ाने तथा परिवारों और युवाओं के बीच इस विषय पर गंभीर संवाद स्थापित करने पर जोर दिया।
उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक जड़ों, नैतिक मूल्यों और भारतीय परंपराओं से जुड़े रहने का आह्वान किया है।

हम जन्माष्टमी तो मानते हैं, लेकिन कृष्ण की शिक्षाओं का पालन नहीं करते : सुधीर गुप्ता

मुरादाबाद।
अध्यात्म ज्ञान एवं चिन्तन संस्था की 193वीं मासिक ब्रह्मज्ञान विचार गोष्ठी का आयोजन रविवार शाम को एमआईटी सभागार में किया गया, जिसका विषय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व रहा। इस विषय का प्रारम्भ करते हुए सुधीर गुप्ता ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाते हैं। उपवास रखकर भगवान की पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन करके प्रसाद ग्रहण करके इतिश्री कर देते हैं। लेकिन हम हम श्रीकृष्ण के जीवन की विलक्षण बातें, उनकी उपलब्धियां और उनके द्वारा दी गईं शिक्षाओं पर विचार नहीं करते हैं, इसलिए उन पर आचरण करने का तो प्रश्न ही नहीं उठता है।
सुधीर गुप्ता ने आगे कहां की हम श्रीकृष्ण को माखन चोर और बांसुरी वादक के तौर पर ही याद करते हैं जबकि उनका जो वास्तविक स्वरुप है वह चक्रधारी, शक्तिवान और सम्पूर्ण रुप से कार्य कुशल एवं कर्मठ व्यक्ति का है। आज हमें आवश्यकता श्रीकृष्ण के उसी मूल स्वरुप की है। उसी का हमे अनुसरण करना है और उसी की तरह से अपने जीवन को शक्तिवान और कर्तव्यपरायण बनाना है।
मुख्य वक्ता डॉ. रमेश चन्द्र यादव कृष्ण ने बताया कि श्रीकृष्ण का जीवन अत्यन्त अद्भुत है। उनका जन्म घर में नहीं जेल में हुआ। उनकी माताएं दो, पिता दो, नगरियां दो तथा भक्त और असंख्य। वे ब्राह्मबल और क्षात्रबल के हिमालय हैं। जन्म से पूर्व ही उन्हे चुनौतियां मिलनी प्रारम्भ हो गई थी, जैसे पूतना, शकटासुर, तृणावर्त, वकासुर, कालिया आदि। वे इन सभी का संहार करते हुए आगे बढ़े और मल्लविद्या के साथ-साथ संगीत, नृत्य और वाद्य में भी पूर्ण श्रेष्ठता प्राप्त की। उनके समय में भारतवर्ष की स्थिति अत्यन्त संकटमयी थी। राष्ट्र में चारो ओर उच्छंखृल शासकों का आतंक था। उन्होंने उन सबको नियन्त्रित किया और निरंकुश शासकों का वध किया। उन्होंने नारीस्मिता की रक्षा की तथा नारी का अपमान करने वालों को दंड दिया। इसी के साथ उन्होंने ज्ञान, कर्म और भक्ति का समन्वय कर राष्ट्र को धर्म क्षेत्र बनाया।
विचार गोष्ठी में एसपी सिंह, दिनेश कुमार शर्मा, सूर्य प्रकाश द्विवेदी, अनिल कुमार सिंह, नीरज कुमार, सुशील कुमार यादव, अक्षेद्रनाथ सारस्वत, विजय कुमार खन्ना, अष्वनी दीक्षित, विनोद कुमार सिंह, अनिल सिक्का, सुभाष चन्द्र गुप्ता, शशि कुमार, धवल दीक्षित उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के प्रयागराज दौरे पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त, युवा मंच अध्यक्ष अनिल सिंह नजरबंद

प्रयागराज।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सोमवार को प्रस्तावित प्रयागराज दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह को पुलिस ने उनके आवास पर नजरबंद किया है। पुलिस और प्रशासन की ओर से शहर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।
निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अपराह्न 3:45 बजे प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह उच्च न्यायालय परिसर में बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होंगे। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री शाम 5:10 बजे प्रयागराज से लखनऊ के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर निर्धारित मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है। महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। अधिकारियों की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह को नजरबंद किए जाने की कार्रवाई को भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

डॉ अमर नाथ सिंह को झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड का सदस्य बनाया गया

दुमका। एएन कॉलेज दुमका के वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ अमर नाथ सिंह को झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड का सदस्य बनाया गया है. वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है. डॉ अमर नाथ सिंह के नाम का अनुमोदन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया है.

अधिसूचना जारी होने की तिथि से उनका कार्यकाल अगले तीन वर्षों का होगा. यह डॉ अमर नाथ सिंह का दूसरा कार्यकाल है. इससे पहले वह वर्ष 2022 से 2025 तक झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड के सदस्य रह चुके हैं.

जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका

पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल के दौरान डॉ अमर नाथ सिंह ने जैव विविधता संरक्षण और इथनोबॉटनी से जुड़े विभिन्न विषयों पर काम किया. उनके संपादन में इस अवधि में तीन क्इठ अंकित पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है. आने वाले दिनों में उनके संपादन में तीन और पुस्तकों के प्रकाशन की तैयारी चल रही है. इनमें 'झारखंड की बेशकीमती वनोषधियां' पुस्तक भी शामिल है. इस पुस्तक के संपादक मंडल में झारखंड विधानसभा के वर्तमान अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो भी शामिल हैं.

छात्रों के कौशल विकास पर भी जोर

डॉ अमर नाथ सिंह के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं के कौशल विकास के उद्देश्य से बायोडाइवर्सिटी कंजर्वेशन इंटर्नशिप प्रोग्राम और झारखंड ग्रासरूट्स इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम का सफल आयोजन किया जा चुका है.

इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को जैव विविधता संरक्षण, स्थानीय संसाधनों और पर्यावरण से जुड़े विषयों को व्यावहारिक रूप से समझने का अवसर मिला है.

आदिवासी बहुल गांवों में चला रहे जागरूकता अभियान

डॉ अमर नाथ सिंह इको क्लब कोऑर्डिनेटर के रूप में इको वारियर्स का नेतृत्व भी कर रहे हैं. उनके नेतृत्व में संथाल परगना के आदिवासी बहुल गांवों के आसपास मौजूद प्राकृतिक वन क्षेत्रों में पर्यावरण और जैव विविधता संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं.

इन अभियानों के तहत वृक्ष रक्षा बंधन अभियान के साथ पौधारोपण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया जाता है. समय-समय पर जरूरतमंदों के बीच पौधे, कंबल और पाठ्य सामग्री का वितरण भी किया जाता है.

दूसरी बार जिम्मेदारी मिलने पर जताया आभार

झारखंड बायोडाइवर्सिटी बोर्ड का दोबारा सदस्य बनाये जाने पर डॉ अमर नाथ सिंह ने अपने सहकर्मियों, मार्गदर्शकों और कॉलेज कर्मियों के प्रति आभार जताया है. उन्होंने कहा कि लगातार मिले प्रोत्साहन और सहयोग ने उन्हें पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित किया है.

उनके दोबारा बोर्ड सदस्य बननै।

148 लीटर झारखंड निर्मित देसी शराब और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद

बाढ़। थाना क्षेत्र के मोकीमपुर के पास पुलिस ने कार्रवाई की है। यहां से 148 लीटर झारखंड निर्मित देसी शराब और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बाइक से झारखंडी शराब की सप्लाई करने जा रहा है।

सूचना मिलते ही बाढ़ थाना पुलिस ने मोकीमपुर के पास घेराबंदी की और जांच अभियान शुरू किया।

बाढ़ थानाध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि पुलिस की गाड़ी देखते ही तस्कर बाइक और शराब छोड़कर भाग गया। पुलिस ने मौके से 148 लीटर देसी शराब और अपाचे मोटरसाइकिल जब्त कर ली। फरार तस्कर की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किस इलाके में होनी थी।

बता दें कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है। इसके बावजूद राज्य के कई इलाकों में शराब तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। पुलिस समय-समय पर कार्रवाई कर शराब बरामद कर रही है, लेकिन तस्कर नए-नए तरीकों से इसकी सप्लाई करने की कोशिश में लगे हैं।

उर्दू लाइब्रेरी के पास फायरिंग, जांच में जुटी पुलिस

रांची। रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित उर्दू लाइब्रेरी के पास रविवार रात अपराधियों ने फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। गोलीबारी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जांच के क्रम में फायरिंग मामले में पुलिस को अहम जानकारियां मिली है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार यह फायरिंग आपसी रंजिश को लेकर हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने आरोपितों की धरपकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।

पुलिस ने फायरिंग करने वालों की पहचान कर ली है। फायरिंग करने वालों की पहचान अफाक और संजर के रूप में की गई है। फायरिंग मामले में तफ्तीश के दौरान कई अहम सुराग हाथ लगे हैं।

जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। इससे पहले भी दोनों पक्षों के लोगों ने डोरंडा थाने में एक-दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी।

बताया जा रहा है कि फायरिंग करने का आरोपित पहले जेल भी गया था। कुछ माह पहले ही वह जेल से बाहर आया था। पुलिस मामले के सभी पहलुओं और बिंदुओं को ध्यान में रखकर गहनता से जांच कर रही है।

महापौर ने किया जिम का उद्घाटन

रांची। रांची के कोकर स्थित टुनकी टोली में रविवार को वोल्टेज यूनिसेक्स जिम का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रांची की महापौर रोशनी खलखो, भैरव सिंह, हिंदू जागरण मंच के प्रांत संयोजक विक्रम शर्मा उपस्थित थे।

इस अवसर पर वार्ड पार्षद अर्जुन यादव और युवा मोर्चा के गुड्डू राय, महावीर लकड़ा सहित क्षेत्र के गणमान्य मौजूद थे। समारोह में स्थानीय लोग एवं युवा भी मौजूद थे।

इस अवसर पर जिम के संचालक धीरज राय ने कहा कि वोल्टेज यूनिसेक्स जिम शुरू करने का हमारा उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं एवं आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। आज के व्यस्त जीवन में शारीरिक फिटनेस बेहद जरूरी है। हमारा प्रयास रहेगा कि सभी आयु वर्ग के लोगों को सुरक्षित, अनुशासित और सकारात्मक वातावरण में व्यायाम की सुविधा मिले।

उन्होंने कहा कि जिम में आधुनिक सुविधाओं के साथ लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। युवाओं को नशे एवं अस्वस्थ जीवनशैली से दूर रखकर खेल, व्यायाम और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित करना भी संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री ने गढ़वा की छात्राओं को पत्र लिखकर दिया आशीर्वाद

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रक्षा बंधन के अवसर पर गढ़वा स्थित आरकेसीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की छात्राओं काजल कुमारी एवं महालक्ष्मी केशरी की ओर से भेजी गई हस्तनिर्मित राखियों का उत्तर पत्र भेजकर दिया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र के माध्यम से छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया और लिखा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और स्नेह का पावन पर्व है। आपके जरिये भेजी गई राखी प्राप्त हुई। आपका यह आत्मीय स्नेह एवं अपनापन पाकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई, इसके लिए हृदय से धन्यवाद। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप एवं आपका समस्त परिवार सदैव सुखी, स्वस्थ एवं प्रसन्न रहे।

विद्यालय परिवार ने जताया आभार

मुख्यमंत्री का पत्र प्राप्त होने पर विद्यालय की प्राचार्या ने सोशल मीडिया पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की ओर से छात्राओं की राखियों का मान रखना और उन्हें प्रोत्साहन देना पूरे विद्यालय एवं गढ़वा जिले के लिए प्रेरणादायी है। यह संदेश छात्राओं को शिक्षा और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

रांची। बिरसा मुंडा सेवा संस्थान की ओर से रविवार को मेसरा स्थित संस्थान के नूतन परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर बिरसा मुंडा सेवा संस्थान एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, रांची महानगर के संयुक्त तत्वावधान में आइआरएस हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित हुआ।

शिविर में स्थानीय लोगों ने पहुंचकर अपनी आंखों की जांच कराई। अनुभवी चिकित्सकों और चिकित्सा दल ने नेत्र संबंधी विभिन्न समस्याओं की जांच की एवं आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। जरूरतमंद मरीजों को आगे के उपचार के संबंध में भी उचित चिकित्सकीय सलाह दी गई।

ग्रामीणों और वन विभाग ने बचाई कुएं में गिरे नन्हें हाथी की जान

खूंटी । खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड स्थित गिडुम गांव (गिरगा रेंज, रनिया) में शनिवार की देर शाम मानवता और वन्यजीव संरक्षण की एक बेहद संवेदनशील मिसाल देखने को मिली।

यहां एक भटकता हुआ हाथी का बच्चा अचानक गांव के एक गहरे कुएं में गिर गया।

कुएं से बाहर निकलने के लिए नन्हा हाथी लगातार संघर्ष कर रहा था, वहीं कुएं के बाहर हाथियों का एक जोड़ा असहाय होकर चिंघाड़ रहा था। हाथियों की तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने स्थिति भांपते ही तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मी बिना समय गंवाए जेसीबी मशीन लेकर गिडुम गांव पहुंचे। कुएं की गहराई और नन्हे हाथी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बेहद सावधानी के साथ रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। वन कर्मियों और ग्रामीणों के साझा सहयोग से लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद जेसीबी की मदद से कुएं के एक हिस्से को खोदकर रास्ता बनाया गया और हाथी के बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया गया।

जैसे ही नन्हा हाथी कुएं से बाहर निकला, वहां मौजूद ग्रामीणों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ग्रामीणों ने बड़े प्यार और आत्मीयता से हाथ हिलाते हुए कहा– 'जाव-जाव-जाव, जंगल की ओर जाव।' कुएं से निकलते ही हाथी का बच्चा दौड़कर थोड़ी दूरी पर खड़े हाथियों के जोड़े के पास पहुंच गया। ग्रामीणों के अनुसार, बाहर चिंघाड़ रहे हाथी-हथनी उस बच्चे के माता-पिता ही थे, जो अपने बच्चे को सही-सलामत पाकर जंगल की ओर लौट गए।

वन विभाग की त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों की संवेदनशीलता के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। आमतौर पर मानव-हाथी संघर्ष की खबरों के बीच, गिडुम गांव की इस घटना ने इंसान और वन्यजीवों के बीच प्रेम, दया और सह-अस्तित्व का एक अद्भुत संदेश दिया है।

पीएम आवास में बदहाली पर सरयू राय का हमला, कहा- लोगों को आवास के नाम पर नर्क में धकेला

पूर्वी सिंहभूम। बिरसानगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए आवासीय परिसर की बदहाल स्थिति को लेकर जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने नगर विकास विभाग और जुडको पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

रविवार को पीएम आवास परिसर का निरीक्षण करने पहुंचे सरयू राय ने कहा कि लोगों को घर तो दे दिया गया, लेकिन वहां रहने के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं कराई गई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि नगर विकास विभाग ने पीएम आवास के नाम पर लोगों को नर्क में धकेल दिया है।

सरयू राय के अनुसार, पीएम आवास के करीब 50 लाभुक एक दिन पहले उनसे मिलकर अपनी समस्याएं बता चुके थे और उनसे परिसर का निरीक्षण करने का आग्रह किया था।

इसके बाद उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि ब्लॉक संख्या 32 में करीब 70 और ब्लॉक संख्या आठ में लगभग 35 लाभुक रह रहे हैं, लेकिन दोनों परिसरों में सड़क, जल निकासी, सफाई, रोशनी और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति खराब है।

सरयू राय ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और वे प्रधानमंत्री को भी लिखित अनुरोध भेजेंगे कि बिरसानगर पीएम आवास की स्थिति का संज्ञान लेकर इसे रहने योग्य बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।

कोल्हान के कलाकारों ने बिखेरा सुरों का रंग, शाहीद रहे अव्वल

पश्चिमी सिंहभूम। कोल्हान क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों को प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को सूर संगीत टीम की ओर से पिल्लई हॉल में ह्यएक शाम कोल्हान के कलाकारों के नामह्न गीत-संगीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में चाईबासा, चक्रधरपुर सहित कोल्हान के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 50 कलाकारों ने हिस्सा लिया। कलाकारों ने अपनी गायन प्रतिभा से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

प्रतियोगिता में चाईबासा बड़ी बाजार निवासी शाहीद अहमद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

वहीं चाईबासा के विक्की राम रवि दूसरे और चक्रधरपुर की प्रतिष्ठा मजुमदार तीसरे स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार सरिल सिंकु, गुड्डी बड़ाइक, शंकर उजिया, अनिकेत दिमाई, कृसेन राय, मो शहनवाज और जगन्नाथ नायक को दिया गया।

विजेताओं और प्रतिभागियों को सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वाहमन टूटी, प्रशिक्षु डीएसपी बिरजू कुमार मेहता, समाजसेवी रमेश खिरवाल, डॉ जगन्नाथ हेंब्रम, सदर थाना प्रभारी चंद्रशेखर चौधरी, मुफस्सिल थाना प्रभारी विनोद कुमार, समाजसेवी अनिल खिरवाल और जकी खान ने पुरस्कार प्रदान किया।

मुख्य अतिथि एसडीपीओ वाहमन टूटी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। सूर संगीत टीम ने गीत-संगीत के माध्यम से कलाकारों को मंच उपलब्ध कराने की सराहनीय पहल की है।

अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण अवैध खनन रुक नहीं रहा

रांची। झारखंड में अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण अवैध खनन रुक नहीं रहा है। अवैध खनन के आरोपियों की पहचान करना तो दूर की बात है, कार्यालय तक पहुंचनेवाली शिकायतों पर भी कार्रवाई नहीं हो रही है। विभागीय सचिव की समीक्षा में यह बात खुलकर सामने आई और हालात गंभीर दिखे।

स्थिति यह है कि झारखंड में पिछले एक वर्ष में अवैध खनन एवं परिवहन से संबंधित 575 शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें से 269 पर ही कार्रवाई हो सकी है। 306 मामलों में अभी भी जिला स्तर से कार्रवाई का इंतजार है। ज्यादातर मामले में आरोपियों पर एफआईआर भी नहीं दर्ज हो पा रही है। खनन सचिव पुलिस-प्रशासन से सख्ती बरतने का निर्देश दिया है।

यहां यह बताना जरूरी है कि सर्वाधिक शिकायत धनबाद से आई है तो पाकुड़, गिरिडीह और साहिबगंज से भी बड़ी संख्या में शिकायतें पहुंची हैं। झारखंड में अवैध खनन कोई नई बात नहीं है। अधिकारियों के स्तर से कार्रवाई नहीं होने के कारण अवैध खनन करनेवालों का मनोबल बढ़ जाता है।

[13/09, 10:30 pm] rashtriyashannews: खान एवं भूतत्व विभाग की रिपोर्ट कम से कम यही बता रही है। पिछले दिनों विभिन्न माध्यमों से 575 शिकायतें जिलों में खनन पदाधिकारी तक पहुंची, लेकिन इनमें से महज 269 मामलों में कार्रवाई की गई है। पूरे राज्य में तीन जिले गोड्डा, खूंटी और गुमला ऐसे हैं जहां शिकायतों पर शत-प्रतिशत कार्रवाई होने के आंकड़े मिले हैं।

झारखंड जूनियर बालक - बालिका प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबले

साहिबगंज। सकरीगली के रेलवे ग्राउंड में कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड तथा जिला कबड्डी एसोसिएशन सह आयोजन समिति के तत्वावधान में आयोजित 20वीं झारखंड राज्य जूनियर बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता-2026 के दूसरे दिन रविवार को भी रोमांचक मुकाबले जारी रहे।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को हुआ था। शनिवार की देर रात तक तथा रविवार को बालक व बालिका वर्ग के कई मुकाबले खेले गए। बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई टीमें नॉकआउट क्वार्टर फाइनल राउंड में पहुंचीं, जबकि बालक वर्ग में भी विभिन्न टीमों के बीच कड़ा मुकाबला जारी रहा। प्रतियोगिता के आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ह्यनिरंतर अभ्यास, संयम और अनुशासन खेल की सफलता के मूल मंत्र हैं। खेल केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने का माध्यम भी है।'

मौके पर आयोजन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष नवनीत कुमार सोनू, सचिव लालू यादव, संरक्षक गोपाल यादव, उपसचिव उत्तम कुमार, अनुराग, जिला ओलंपिक संघ के सचिव माधव चंद्र घोष, रमाकांत मिश्र, कबड्डी संघ के संरक्षक बच्चू यादव, राज्य कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर, राज्य ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष विपिन कुमार, संतोष यादव सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में राज्य के 22 जिलों की बालक तथा 18 जिलों की बालिका टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा, जहां वे अक्टूबर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के रेफरी बोर्ड कन्वेनर आलोक कुमार के साथ सीताराम रजक, मुकेश कुमार, जय शंकर प्रसाद, अमित आनंद, उपेंद्र कुमार, सुवज्ञा कुमारी, पूजा कुमारी, राधिका वान्द्र, महावीर कुमार, शमशेर अंसारी, ऋषिकेश कुमार, दीपक कुमार, दिनेश कुमार महतो, करण कुमार, कौशल सिंह, राज स्वर्णकार, अमित कुमार, सोनी कुमार आदि ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हाइवा की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत

पूर्वी सिंहभूम। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको सिग्नल चौक के पास रविवार देर शाम हुए भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार पिता-पुत्र की मौत हो गयी। मृतक पिता की पहचान डिमना स्थित चंद्रवती नगर निवासी दीपक कुमार के रूप में हुई है, जबकि उनके पुत्र यश की उम्र करीब 10 से 12 वर्ष बतायी जा रही है। हादसा पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के एग्रिको स्थित आवास के समीप मुख्य मार्ग पर हुआ।

बताया जाता है कि दीपक कुमार अपने बेटे के साथ स्कूटी से जा रहे थे। इसी दौरान लिटी चौक की ओर से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद बच्चा हाइवा के पिछले चक्के की चपेट में आ गया। चालक द्वारा वाहन लेकर आगे बढ़ने के दौरान बच्चे को करीब 150 मीटर तक घसीटे जाने की बात भी सामने आयी है। हालांकि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गयी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गये। लोगों ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया। दीपक कुमार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया था, जबकि गंभीर रूप से घायल उनके बेटे को तत्काल एमजीएम अस्पताल ले जाया गया।

वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे भी मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हाइवा को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों और हाइवा की रफ्तार सहित पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे के कारण मुख्य मार्ग पर काफी देर तक यातायात भी प्रभावित रहा।

कैंब्रियन स्कूल में मनाया गया हिंदी दिवस

रांची।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में हिंदी दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की निदेशक सह प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि हिंदी केवल राजभाषा और संपर्क की भाषा नहीं, बल्कि आपसी संबंधों को जोड़ने वाली भाषा भी है।

उन्होंने कहा कि भारत भाषाई विविधताओं से समृद्ध देश है, जहां अनेक भाषाएं और बोलियां बोली जाती हैं। इसके बावजूद हिंदी की अपनी विशिष्ट पहचान है।

शिक्षण संस्थान इमारत से नहीं, शिक्षक और छात्रों से बनते हैं : अजय

रांची। रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में रविवार को पब्लिक स्कूल एंड चिल्ड्रेन एसोसिएशन (पासवा) की ओर से शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में शिक्षा, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और रोजगार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान करीब ढाई हजार शिक्षकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक सिर्फ छात्रों को पढ़ाते नहीं हैं, बल्कि उनके भविष्य और देश के अच्छे नागरिक के रूप में निर्माण करते हैं। कोई भी शिक्षण संस्थान केवल ईंट-पत्थर की इमारत से नहीं, बल्कि वहां के शिक्षक और छात्रों से बनता है। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य की परंपरा सदियों पुरानी है। शिक्षकों का समाज को दिशा देने में हमेशा महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। गांवों में अभी कई चुनौतियां हैं, लेकिन मुख्यमंत्री स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के जरिए बेहतर शिक्षा पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने एआई के इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि यह एक उपयोगी साधन है, लेकिन शिक्षक की जगह नहीं ले सकता। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी की समस्याओं को समझना जरूरी है।

पासवा के मुख्य संरक्षक पूर्व मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि शिक्षक कुम्हार की तरह होते हैं, जो छात्रों के भविष्य को आकार देते हैं। उन्होंने शिक्षकों की सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि पासवा अब शिक्षा के साथ छात्रों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी अभियान चलाएगा।

डीजी रेल अनिल पालटा ने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि शिक्षकों की डांट-फटकार भी छात्रों के बेहतर भविष्य के लिए होती है। उन्होंने युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा नौकरी की तलाश में हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि परीक्षा में कम अंक आने पर निराश न हों। सफलता के लिए कई नए क्षेत्र और अवसर मौजूद हैं।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि प्रत्येक वर्ष शिक्षकों को सम्मानित कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता है और आने वाले समय में इस अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। निजी विद्यालयों के शिक्षक सीमित संसाधनों में भी बेहतर परिणाम देने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

महाराजा कॉलेज के स्थापना दिवस पर संस्थापक को किया नमन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

आरा (भोजपुर)। महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह कॉलेज, आरा का 72वां स्थापना दिवस रविवार को श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। समारोह में कॉलेज के संस्थापक महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह को नमन करते हुए उनकी शैक्षणिक दृष्टि और समाज के प्रति योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया गया। समारोह में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी, सदर विधायक सह मंत्री संजय टाइगर, शाहपुर विधायक राकेश ओझा, जय प्रकाश विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. दुर्गविजय सिंह, कॉलेज की प्राचार्य डॉ. कनकलता कुमारी और डुमरांव राज परिवार की ओर से मानसिंह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कॉलेज प्रशासन ने अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। संस्थापक की दूरदृष्टि को किया याद वक्ताओं ने कहा कि महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह ने शिक्षा को समाज के विकास और नई पीढ़ी के निर्माण का माध्यम

माना। उनके प्रयासों से स्थापित शैक्षणिक परंपरा आज भी विद्यार्थियों को दिशा दे रही है। वक्ताओं ने कहा कि संस्थान की गौरवशाली विरासत को नई ऊंचाइयों तक ले जाना ही संस्थापक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समारोह में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करना भी है।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने संभाली जिम्मेदारी

कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अंकिता ओझा के मार्गदर्शन में कैंपस एंबेसेडर नीतीश कुमार सहित साक्षी, साक्षी कुमारी, रूपाली कुमारी, मुस्कान कुमारी, बिट्टू कुमार, अमित कुमार, भारती कुमारी, अमन कुमार, प्रिया कुमारी, साधना कुमारी, प्रशंसा रानी, अम्बरीश कुमार और सुधांशु कुमार समेत अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

समारोह में पूर्व सीनेट सदस्य अजय कुमार तिवारी ह्यमुनमुनह्न, डॉ. चंचल पांडे, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. उषा कुमारी, डॉ. मृत्युंजय कुमार, डॉ. बिजेंदर, डॉ. अमृतांशु कुमार, डॉ. अमित कुमार, डॉ. अरुण पांडे, डॉ. मीनाक्षी कुमारी, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. राधिका रमन, डॉ. आदित्य कुमार आनन्द, डॉ. पंकज कुमार सहित शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बड़हरा में चौकीदारों की परेड, अपराध-तस्करी पर नकेल और वारंटियों की निगरानी के निर्देश

बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा थाना परिसर में थाना क्षेत्र के सभी चौकीदारों की चौकीदारी परेड कराई गई। इस दौरान चौकीदारों को अपराध नियंत्रण, तस्करी पर रोक लगाने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। परेड के दौरान चौकीदारों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने तथा वारंटियों और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया।

अधिकारियों ने ड्यूटी के प्रति सजग रहने, अनुशासन का पालन करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने को कहा। आगामी त्योहारों को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने पर भी जोर दिया गया। चौकीदारों को गांवों और आसपास के क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर पैनी नजर रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका होने पर समय रहते पुलिस को जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा चौकीदारों को पुलिस और ग्रामीणों के बीच बेहतर सूचना तंत्र के रूप में काम करने तथा जमीनी स्तर पर खुफिया जानकारी एकत्रित कर समय पर पुलिस तक पहुंचाने को कहा गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि अपराध और तस्करी पर प्रभावी अंकुश के लिए चौकीदारों की भूमिका महत्वपूर्ण है।

'सेवा माह' पर भाई दिनेश ने उठाए सवाल, कहा- 25 साल का हिसाब दे सरकार

जगदीशपुर/भोजपुर। भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर 'सेवा माह' मनाने की घोषणा पर पूर्व विधायक भाई दिनेश ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में किसी सरकार या प्रधानमंत्री की उपलब्धियों का मूल्यांकन प्रचार और नारों से नहीं, बल्कि जनता के जीवन में आए वास्तविक बदलाव से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा का उत्सव मनाने से पहले सरकार को अपने प्रमुख वादों और उपलब्धियों का तथ्यात्मक हिसाब जनता के सामने रखना चाहिए। महंगाई, रोजगार, किसानों की आय, छोटे कारोबारियों की स्थिति और आम लोगों की क्रय शक्ति पर सरकार को स्पष्ट आंकड़े देने चाहिए।

भाई दिनेश ने 2014 के बाद केंद्र सरकार के बढ़े सार्वजनिक कर्ज, प्रति व्यक्ति कर्ज और उसके इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने सड़क, पुल-पुलिया और सरकारी भवनों के निर्माण में गुणवत्ता, भ्रष्टाचार के आरोपों तथा जवाबदेही की स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने किसानों, युवाओं और कर्मचारियों के आंदोलनों के दौरान सरकार के रवैये, गौ-संरक्षण नीति, सामाजिक सद्भाव तथा धार्मिक संस्थानों से जुड़े अनियमितता के आरोपों पर भी स्पष्ट जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि 'सेवा माह' से पहले सरकार को '25 साल, 25 सवाल' का जवाब देना चाहिए। जनता को प्रचार नहीं, सच्चाई और जवाबदेही चाहिए। नारे नहीं, हिसाब और दावे नहीं, आंकड़े चाहिए।

गंगा कटाव से उजड़े पीपरपति के 100 परिवारों को राहत, पवन सिंह की ओर से कपड़े और सूखा राशन वितरित

बड़हरा (भोजपुर)। गंगा के भीषण कटाव और बाढ़ की मार झेल रहे पीपरपति गांव के करीब 100 प्रभावित परिवारों के बीच रविवार को राहत सामग्री का वितरण किया गया। भोजपुरी के पावर स्टार सह भाजपा एमएलसी पवन सिंह की ओर से भेजी गई राहत सामग्री उनके बड़े भाई रानू सिंह और सहयोगियों ने ग्रामीणों के बीच बांटी। इसमें महिलाओं के लिए साड़ी, बच्चों के लिए कपड़े तथा पुरुषों के लिए लुंगी और गमछा शामिल थे।

इसके साथ ही सूखा राशन, गुड़, चूड़ा, टोस्ट और बिस्कुट भी वितरित किए गए। बताया गया कि कुछ दिन पूर्व पवन सिंह

के भाई रानू सिंह पीपरपति गांव पहुंचे थे। उन्होंने गंगा कटाव और बाढ़ से प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी थीं। इस दौरान ग्रामीणों ने घरों में पानी घुसने, कटाव से उत्पन्न संकट तथा भोजन, कपड़े और अन्य जरूरी सामान की कमी की जानकारी दी थी। ग्रामीणों की स्थिति को देखते हुए पवन सिंह ने प्रभावित परिवारों के लिए राहत सामग्री भेजी। रविवार को रानू सिंह के साथ गुड्डू सिंह, बड़क सिंह, पवन राजा, अविनाश सिंह समेत अन्य सहयोगियों ने राहत सामग्री का वितरण किया। सामग्री पाकर प्रभावित परिवारों ने राहत की सांस ली और पवन सिंह व उनके सहयोगियों के प्रति आभार जताया। ग्रामीणों ने बताया कि गंगा का कटाव और बाढ़ अब भी उनकी जिंदगी पर भारी पड़ रही है।

कई परिवारों के सामने रहने के साथ-साथ भोजन और रोजमर्रा की जरूरतों का संकट बना हुआ है। ऐसे समय में मिली राहत सामग्री ने प्रभावित परिवारों को तत्काल कुछ सहारा दिया है।

बाढ़ में डूबने से मृत चितरंजन के परिजन को विधायक ने दिया चार लाख का चेक सौंपा

आरा, बडहरा। बाढ़ में डूबने से धमार गांव निवासी चितरंजन पासवान की हुई मौत के बाद रविवार को बड़हरा विधायक धमार गांव पहुंचे। उन्होंने मृतक के शोक संतप्त परिवार से मिलकर परिजनों को सांत्वना दी। इस दौरान मृतक की पत्नी पूनम देवी को आपदा सहायता राशि के रूप में चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

विधायक ने कहा कि दुख की इस घड़ी में वे मृतक के परिवार के साथ हैं। परिवार को हर संभव सहयोग और मदद उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष धनंजय तिवारी, मंडल अध्यक्ष संजीव सिंह, सरिया मंडल अध्यक्ष प्रशांत सिंह, प्रवीण पासवान, राधा कृष्ण पासवान, मोनू पासवान, दीपू पासवान, ग्राम सेवक रितेश कुमार, वरुण सिंह, दिलीप सिंह, नंदजी प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गीधा थाना में समीक्षा बैठक, लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

कोईलवर (भोजपुर)। गीधा थाना परिसर में रविवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर-2 रंजीत कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष एवं सभी अनुसंधानकताओं के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित कांडों के निष्पादन और कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में वारंट, इश्तहार एवं कुर्की से संबंधित लंबित मामलों की प्रगति बढ़ाने, गंभीर कांडों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने तथा लंबित कांडों में समुचित प्रगति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। सभी अनुसंधानकताओं को नियमित रूप से क्षेत्र में सक्रिय रहने और बेहतर अनुसंधान करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट तथा चोरी की बाइक आदि की बरामदगी सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। पुलिस अधिकारियों को लंबित मामलों की लगातार समीक्षा करते हुए त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बाढ़ पीड़ितों के बीच एसोसिएशन ने बांटी राहत सामग्री

आरा (भोजपुर)। भोजपुर में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से रविवार को राहत अभियान चलाया गया। एसोसिएशन के पदाधिकारी नाव के माध्यम से ज्ञानपुर, सिमरिया और नेकनाम टोला समेत बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे और जरूरतमंद परिवारों के बीच फूड पैकेट व आवश्यक सामग्री का वितरण किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी भी

ली।

राहत अभियान में एसोसिएशन की अध्यक्षा स्मिता सिंह, उपाध्यक्ष रविकांत राय, सचिव रबनवाज खान, सुजीत कुमार और अंकुर आनंद वर्मा समेत अन्य सदस्य शामिल रहे।

पदाधिकारियों ने कहा कि बाढ़ के कारण कई परिवारों के सामने भोजन, पेयजल और पशुचारे की समस्या उत्पन्न हो गई है।

ऐसे कठिन समय में प्रभावित परिवारों तक पहुंचकर उनकी मदद करना सामाजिक जिम्मेदारी है।अंकुर आनंद वर्मा ने कहा कि एसोसिएशन अपनी क्षमता के अनुसार बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता का अभियान आगे भी जारी रखेगा। वहीं, एसोसिएशन ने प्रशासन और सरकार से प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त खाद्य सामग्री, स्वच्छ पेयजल, दवा और पशुचारा उपलब्ध कराने की मांग की। एसोसिएशन की ओर से गंगा किनारे मजबूत तटबंध निर्माण और पुराने तटबंधों को सुदृढ़ करने की भी मांग उठाई गई। अध्यक्षा स्मिता सिंह ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की पीड़ा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। संकट की घड़ी में जरूरतमंदों के साथ खड़ा होना ही सच्ची मानवता है।

लताफत हुसैन की स्मृति में स्मृति द्वार व सामुदायिक भवन बनाने की मांग

आरा। राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व अध्यक्ष एवं भोजपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष तथा वरिष्ठ समाजवादी नेता मो. लताफत हुसैन के श्राद्धकर्म में पूर्व विधायक भाई दिनेश शामिल हुए। उन्होंने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। भाई दिनेश ने कहा कि लताफत हुसैन का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने गरीब, कमजोर और वंचित लोगों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई।

उन्होंने कहा कि लताफत हुसैन पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कपूर्री ठाकुर के करीबी सहयोगियों में रहे और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के भी निकट रहे। संगठन को मजबूत करने और सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाई दिनेश ने आरा में उनके नाम पर स्मृति द्वार एवं भवन निर्माण कराने की मांग की। साथ ही उनके पुत्रों से राजद के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर पिता की विचारधारा को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। सांसद सुदामा प्रसाद एवं विधान परिषद सदस्य सोनू राय से उनके पैतृक स्थान पर सामुदायिक भवन निर्माण के लिए पहल करने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर सुशील तिवारी, नंद किशोर सिंह, मालिक यादव, हकीम प्रसाद, महेश सिंह, अनिल कुमार यादव सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

ग्राम कचहरी न्याय मित्रों ने नीतीश कुमार से की मुलाकात, सेवा स्थायीकरण एवं वेतन वृद्धि को लेकर सौंपा मांग पत्र

पटना। ग्राम कचहरी न्याय मित्र संघ कैमूर, भभुआ के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से उनके 7, सर्कुलर रोड स्थित आवास पर मुलाकात की एवं उन्हें अपनी मांगों से संबंधित मांग पत्र सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने अपने मांग पत्र में न्याय मित्रों की सेवा को स्थायी करने तथा मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी सहित अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने नीतीश कुमार से आग्रह करते हुए कहा कि वर्तमान में मिलने वाला लगभग 7,000 रुपए मासिक मानदेय महंगाई को देखते हुए पर्याप्त नहीं है।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि साल 2007 में नियुक्ति के बाद से ही न्याय मित्र ग्राम कचहरियों में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते आ रहे हैं। न्याय मित्रों की भूमिका केवल न्यायिक कार्यों तक सीमित नहीं रही है, बल्कि समय-समय पर सरकार एवं प्रशासन द्वारा सौंपे गए विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों में भी उन्होंने योगदान दिया है।

पुलिस को देख वाहन छोड़ फरार हुए चोर, स्कार्पियो सहित चार बकरियां बरामद

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों द्वारा बकरियों की चोरी कर स्कॉर्पियो वाहन से ले जाने के मामले में भोजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुल चार बकरियां बरामद की हैं।

हालांकि पुलिस की भनक लगते ही चोर स्कॉर्पियो वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के अनुसार 12 सितंबर की रात करीब 12 बजे मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना मिली कि

अज्ञात चोर दो बकरियों की चोरी कर स्कॉर्पियो वाहन संख्या BR01AD-3195 में लादकर उत्तर दिशा की ओर ले जा रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन का पीछा किया। पुलिस को पीछे आते देख चोर स्कॉर्पियो वाहन छोड़कर फरार हो गए।

पुलिस टीम ने मौके से स्कॉर्पियो वाहन सहित कुल चार बकरियां बरामद कीं। मामले में आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई की जा

अक्टूबर से राज्यव्यापी आंदोलन की तैयारी, कार्यपालक सहायकों ने कहा–अब आश्वासन नहीं, अधिकार चाहिए

सुपौल। कार्यपालक सहायकों की लंबित मांगों और सेवा संबंधी समस्याओं को लेकर बिहार राज्य कार्यपालक सहायक सेवा संघ की जिला इकाई सुपौल की बैठक रविवार को स्थानीय बीएसएस कॉलेज परिसर में हुई। जिला उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठन को प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर तक मजबूत करने के साथ ही विभिन्न मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि अगले 15 दिनों के भीतर जिले के सभी प्रखंडों एवं अनुमंडलों में संगठन का विस्तार किया जाएगा। साथ ही सभी विभागों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों के लिए समूह स्वास्थ्य बीमा और कॉरपोरेट सैलरी पैकेज लागू करने की मांग को लेकर सरकार को अल्टीमेटम देने का निर्णय लिया गया।

संघ ने कार्यपालक सहायकों को हटाकर उनकी जगह आउटसोर्सिंग के माध्यम से कर्मियों की सेवा लेने की किसी भी कोशिश का विरोध करने की बात कही। संघ का कहना है कि कार्य समीक्षा अथवा वित्तीय बोझ का हवाला देकर कार्यपालक सहायकों को हटाने की धमकी स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके अलावा ईपीएफ, अवकाश सहित अन्य वैधानिक एवं देय सुविधाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ भी चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया।

संघ के जिला उपाध्यक्ष रोहन कुमार ने कहा कि 26 अगस्त 2025 को हुई 36वीं शासी परिषद की बैठक में मानदेय पुनर्निर्धारण के प्रस्ताव पर अगली बैठक में प्राथमिकता के आधार पर विचार करने का निर्णय लिया गया था। इसके बाद 6 अक्टूबर 2025 को अपर मुख्य सचिव-सह-मिशन निदेशक, बीपीएसएमएस के साथ हुई वार्ता में मानदेय बढ़ोतरी का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने बताया कि 10 दिसंबर 2025 को हुई 37वीं शासी परिषद की बैठक में मानदेय पुनर्निर्धारण के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित कर तीन माह के भीतर अनुशंसा देने का निर्णय लिया गया था।

भोजपुर में 216 गुंडा व संदिग्ध अपराधियों की हुई परेड

आरा। पुलिस अधीक्षक भोजपुर अवधेश दीक्षित के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी थाना परिसरों में गुंडा परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से करीब 216 गुंडा एवं संदिग्ध अपराधियों को थाना परिसर में उपस्थित कराया गया। पुलिस अधिकारियों ने परेड में शामिल लोगों की गतिविधियों एवं पूर्व आपराधिक मामलों के संबंध में जानकारी ली।

साथ ही उन्हें कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी तरह की आपराधिक गतिविधि से दूर रहने का निर्देश दिया गया। पुलिस के अनुसार गुंडा परेड का मुख्य उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एवं संदिग्ध तत्वों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखना, अपराध पर नियंत्रण स्थापित करना तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को और मजबूत करना है।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी